epaper.dehatsandesh.com

3 देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा

5 आस्ट्रेलिया दौराः भारतीय महिला टेस्ट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर कप्तान

8 औषधीय एवं सुगंधित पौधों का महत्व

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8, अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-23 | जम्मू तवी, रविवार 25 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट

चेकपॉइंट, तलाशी अभियान, सीएएसओ, ड्रोन और सीसीटीवी से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जवानों को सतर्क रहने के निर्देश

जम्मू के मुख्य समारोह में एलजी सिन्हा सलामी लेंगे, मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

जम्मू तवी। गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर भर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक क्षेत्र वर्चस्व अभ्यास और सैनिटाइजेशन अभियान चलाए जा रहे हैं। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों, विशेषकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा आईबी और नियंत्रण रेखा एलओसी के साथ पुलिस और अर्धसैनिक बलों की व्यापक तैनाती की गई है। सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए ड्रोन और उच्च-रिज़ॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरों जैसी उन्नत निगरानी तकनीकों को कार्यक्रम स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी के लिए तैनात किया गया है,卐 उन्होंने बताया। साथ ही श्रीनगर और अन्य जिला मुख्यालयों में, विशेष रूप से प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर, चेकपॉइंट स्थापित किए गए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जम्मू के एम.ए. स्टेडियम में मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह

की अध्यक्षता करेंगे और सलामी लेंगे, जबकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मुख्य अतिथि होंगे। अन्य मंत्री विभिन्न जिलों में गणतंत्र दिवस समारोहों की देखरेख करेंगे। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी श्रीनगर में गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे और वहां सलामी लेंगे। इस बीच, कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक आईजीपी विधि कुमार बिर्दी ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोहों के लिए घाटी भर में बहु-स्तरीय सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बख्शी स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस रिहर्सल कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए आईजीपी बिर्दी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में जम्मू-कश्मीर पुलिस, उसकी सुरक्षा शाखा और केंद्रीय अर्धसैनिक बल शामिल हैं, ताकि घाटी भर में कार्यक्रमों का सुचारु आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। आईजीपी ने कहा कि प्रत्येक जिले में अलग-अलग गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे, जहां मुख्य अतिथि सलामी लेंगे।

गणतंत्र दिवस 2026 : एम.ए. स्टेडियम जम्मू में फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित

जम्मू, 24 जनवरी। 77वें गणतंत्र दिवस 2026 के समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल एम.ए. स्टेडियम, जम्मू में देशभक्ति के उत्साह, जोश और एकता में विविधता की भावना के बीच आयोजित की गई।

जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड का निरीक्षण किया और भव्य मार्च पास्ट की सलामी ली।

परेड में सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, आईआरपी, जम्मू-कश्मीर पुलिस, जेकेएपी, यूटीडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, जम्मू-कश्मीर वन सुरक्षा बल, आबकारी एवं कर विभाग, भूतपूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट्स, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जम्मू-कश्मीर तथा जम्मू के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के पुरुष एवं महिला दल शामिल रहे। बीएसएफ, जेकेपी, जेकेएपी, सेना और स्कूल विद्यार्थियों के पाइप एवं ब्रास बैंड ने मार्च पास्ट के दौरान आकर्षक धुनें प्रस्तुत कीं।

ऑपरेशन सिंदूर, मिशन युवा, सड़क सुरक्षा — *एक साझा जिम्मेदारी, जागरूकता से बचती हैं जानें, नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर, श्रम को सम्मान, अधिकार एक समान, सशक्त श्रमिक, जीएसटी सुधार 2.0ः नागरिकों के लिए लाभों की स्पष्ट जानकारी तथा खाद्य सुरक्षा — *सही भोजन, बेहतर जीवन* जैसे विषयों पर आधारित झांकियों ने सरकार की पहल और उपलब्धियों को उजागर किया। स्कूली बच्चों तथा जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के कलाकारों ने आज का हिंदुस्तान, इतिहास की गूंज और वंदे भारतम् विषयों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में राष्ट्रीय एकता, विविधता में एकता, सद्भाव और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की समन्वित संस्कृति को दर्शाया गया। कार्यक्रम में वंदे मातरम् सहित राष्ट्रीय गीत, लोक संगीत और नृत्य भी शामिल रहे। जम्मू-कश्मीर पुलिस के डेयर डेविल्स ने रोमांचक और शानदार मोटरसाइकिल करतब दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, नोडल अधिकारी एवं संबंधित प्रभारी उपस्थित रहे।

उपराज्यपाल सिन्हा ने लोक भवन में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह में लिया भाग

जम्मू, 24 जनवरी (हि.स.)। शनिवार को जम्मू कश्मीर लोक भवन में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उत्तर प्रदेश की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राज्य के महान विद्वानों, स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। उपराज्यपाल ने कहा, 卐साहित्यकारों ने प्राचीन उत्तर प्रदेश क्षेत्र को भारत का हृदयस्थल, वेदों, उपनिषदों, रामायण, महाभारत और पुराणों जैसे प्रमुख धर्मग्रंथों का उद्गम स्थल बताया है। मेरे लिए उत्तर प्रदेश एक ऐसा स्रोत है जिसने देश की सांस्कृतिक चेतना का पोषण किया है। उपराज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की समृद्धि को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है; इसे पूरी तरह से समझने के लिए इसे महसूस करना और अनुभव करना आवश्यक है। उपराज्यपाल ने कहा, यह वह स्थान है जहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती नदियाँ मिलती हैं—हजारों वर्षों के इतिहास वाला एक पवित्र संगम। यह मानवता को शाश्वत ज्ञान प्रदान करने वाला एक आध्यात्मिक केंद्र है और अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के माध्यम से वैश्विक चेतना को जागृत करने वाला एक भक्तिमय स्थल है। क्षेत्र के आध्यात्मिक-सांस्कृतिक योगदानों पर विचार करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का महत्वपूर्ण केंद्र है जो राष्ट्र को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सभी दिशाओं में एकजुट रखता है। इस गतिशील क्षेत्र के आध्यात्मिक गुरुओं ने अपने गहन चिंतन के माध्यम से हमें एक अमूल्य शिक्षा दी हैः स्वयं को जानने की खोज सभी अन्य खोजों से परे है। उन्होंने आगे कहा, सबसे गहन यात्रा जो हम कर सकते हैं वह अंतर्मुखी यात्रा है। यह ज्ञान हमारे समकालीन, तेजी से बदलते विश्व में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है। उपराज्यपाल ने उत्तर प्रदेश की हालिया प्रगति पर भी प्रकाश डाला और कहा कि इसका विकास पथ अनुकरणीय रहा है।

बजट सत्र से पहले सरकार ने 27 जनवरी को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 24 जनवरी। सरकार ने संसद के बजट सत्र से पहले मंगलवार 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सत्र के सुचारु कामकाज को लेकर सरकार राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करेगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक संसद भवन एनेक्सी में होगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में विधायी कार्यसूची और बजट सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। संसद सत्र के पूर्व होने वाली इस बैठक के पीछे सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना होता है। संसद का बजट सत्र दो चरणों में 28 जनवरी बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा। इसके बाद दोबारा संसद 9 मार्च को फिर से एकत्रित होगी। बजट सत्र के दौरान 29 जनवरी को आर्थिक सर्वेषण आने की संभावना है। वहीं बजट हर

वर्ष की भांति रविवार होने के बावजूद 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। लोकसभा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अस्थायी रूप से तीन दिन 2 से 4 फरवरी आवंटित किए हैं। उल लेखनीय है कि इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी रविवार को पेश किया जाएगा। संसद के इतिहास में एक ऐतिहासिक अवसर होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवीं बार बजट पेश करेंगी।

समावेशी विकास और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लिए दृढ़ संकल्पित हैः तरुण चुघ

जम्मू, 24 जनवरी। तरुण चुघ, सत शर्मा, जयराम ठाकुर, विजेंद्र गुप्ता, सुनील शर्मा और अशोक कौल ने जम्मू में भाजपा विधायकों की कार्यशाला को संबोधित किया। भाजपा ने जम्मू में विधायकों के लिए गहन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर ने जगत रिसॉर्ट्स, शक्ति नगर, जम्मू में भाजपा विधायकों के लिए एक गहन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन कई सुव्यवस्थित सत्रों के माध्यम से किया गया, जिसका उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच विधायी क्षमता, वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक समन्वय को बढ़ाना था। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ, भाजपा जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, हिमाचल प्रदेश में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, जम्मू-कश्मीर में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, महासचिव (संगठन) अशोक कौल, राष्ट्रीय सचिव डॉ. नरिंदर सिंह, महासचिव संजीता डोगरा, बलदेव सिंह बिल्लवारिया, अनवर खान और गोपाल महाजन ने कार्यशाला को संबोधित किया जिसमें पार्टी के सभी विधायक उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए तरुण चुघ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से मजबूत करने के लिए नियमित अंतराल पर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन करती है।

बिलावर में फिर दिखा संदिग्ध हथियारबंद, सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी

कठुआ, 24 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के जिला कठुआ के पहाड़ी क्षेत्र बिलावर में शनिवार उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय ग्रामीणों ने वर्दी पहने एक अज्ञात हथियारबंद व्यक्ति को देखा। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध को देखते ही ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए उसका पीछा किया लेकिन वह जंगल की ओर भागने में सफल रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र को घेरते हुए व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया, जो फिलहाल जारी है। सुरक्षाबलों द्वारा इलाके में युद्ध स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम किया जा सके। गौरतलब है कि बीते शुक्रवार शाम को भी बिलावर क्षेत्र में जैश के एक आतंकवादी को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके बाद शनिवार को फिर से हथियारबंद व्यक्ति की मौजूदगी सामने आने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। सूत्रों के अनुसार भविष्य की किसी भी घटना को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला रही हैं और इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

डीआईजी ने बिलावर में स्थिति का लिया जायजा, कहा बचे हुए आतंकियों को भी जल्द ही ढेर कर दिया जाएगा

कठुआ, 24 जनवरी। डीआईजी जेकेएस रेंज शिव कुमार शर्मा ने बिलावर क्षेत्र में घटनास्थल का दौरा कर जारी संयुक्त तलाशी अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मौके पर तैनात सुरक्षा बलों से स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं और एक साझा रणनीति के तहत तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि लगातार जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियां क्षेत्र पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को बिलावर के ग्रामीणों द्वारा एक हथियारबंद संदिग्ध देखे जाने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के जवान पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं। डीआईजी ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोहों को बाधित करने के उद्देश्य से पड़ोसी देशों के इशारे पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश की जा रही है लेकिन सुरक्षा बल पूरी तरह सक्षम हैं और आतंकियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

होटल गुपशुप को परिसर में अवैध गतिविधियों के आरोपों के बाद सील किया

जम्मू, 24 जनवरी। जम्मू विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और सिविल प्रशासन ने गुरुवार को बान नगरोटा में होटल गुपशुप को परिसर में अवैध गतिविधियों के आरोपों के बाद सील कर दिया। आरोप है कि रिहायशी इलाके में स्थित इस होटल का इस्तेमाल युवा जोड़ों को कमरे देने के लिए किया जा रहा था जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही थी और सार्वजनिक नैतिकता को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। बताया जा रहा है कि इस स्थिति से लोगों में गुस्सा था और सार्वजनिक शांति और व्यवस्था के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया था। नागरोटा के एसएचओ और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट नागरोटा की एक संयुक्त टीम ने होटल का वेरिफिकेशन किया। जांच के दौरान दो युवा जोड़े होटल में कमरे बुक किए हुए पाए गए। जोड़ों को मौके पर मौजूद होटल स्टाफ के साथ पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। कथित गैरकानूनी गतिविधियों को जारी रखने से रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने होटल को सील

करने का आदेश दिया है। इसके अलावा मालिक मैनेजर और हिरासत में लिए गए हैं। सभी व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126 170 के तहत निवारक कार्रवाई शुरू की गई है।

जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी; अगले 48 घंटों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना

श्रीनगर, 24 जनवरी। गुरुवार रात से कश्मीर घाटी के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी और जम्मू में बारिश लाने वाला पश्चिमी विक्षोभ अब क्षेत्र से निकल चुका है। मौसम विभाग ने शनिवार सुबह बताया कि अगले 48 घंटों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। शुक्रवार की भारी बर्फबारी के बाद अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां, बारामूला, बडगाम, बांदीपोरा और किश्तवाड के कुछ हिस्सों में मध्यरात्रि में कुछ इंच और बर्फबारी दर्ज की गई। राजौरी शहर में भी बर्फबारी हुई जिसे अधिकारियों ने एक दुर्लभ घटना बताया। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई जहां लगभग एक दशक से बर्फ नहीं गिरी थी। उन्होंने इसका कारण पश्चिमी विक्षोभ से जुड़ी ठंडी हवा का एक मजबूत झोंका बताया जिसके कारण अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में भी तापमान में अचानक गिरावट आई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 48 घंटों तक जम्मू-कश्मीर में मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि सोमवार, 26 जनवरी की दोपहर से एक और पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है जिससे केंद्र शासित प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

भारत एशिया की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित करने के लिए संकल्पबद्धः गजेन्द्र शेखावत

नई दिल्ली, 24 जनवरी। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि भारत आज न केवल पत्थरों और अवशेषों को सहेज रहा है बल्कि एशिया की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित करने के लिए भी संकल्पबद्ध है।

गजेन्द्र शेखावत ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन पर कही। यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा इस सम्मेलन का विषय सामूहिक बुद्धिमत्ताः एकता और सह-अस्तित्व की ओर है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में एकता, शांति और सह-अस्तित्व की भावना को बढ़ावा देना है।

शेखावत ने कहा, पिपरहवा अवशेषों की वापसी और प्राचीन ग्रंथों का आधुनिक संरक्षण इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी

विरासत को लेकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। यह प्रयास न केवल भारत की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करेगा बल्कि पूरे एशिया को बुद्ध के शांति और ज्ञान के सूत्र में पिरोने का काम भी करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के लिए ये अवशेष केवल संग्रहालय की वस्तुएं या कलाकृतियां नहीं हैं बल्कि ये हमारी महान सभ्यता के जीवंत प्रतीक और उस शांति एवं करुणा के वाहक हैं, जिसका संदेश भगवान बुद्ध ने पूरी दुनिया को दिया था।

मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा की गई कई नई पहलों में ज्ञान भारत राष्ट्रीय मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण करना, भाषाएं पाली, प्राकृत, संस्कृत और तिब्बती जैसी भाषाओं में उपलब्ध बौद्ध ग्रंथों को संरक्षित करना, ताड़ के पत्तों, भोजपत्रों और प्राचीन हस्तनिर्मित कागजों पर लिखे गए दुर्लभ ज्ञान को तकनीक के माध्यम से सुरक्षित रखना और तकनीक के माध्यम से धम्म का संरक्षण करना शामिल है ताकि आने वाली पीढ़ियां बुद्ध के ज्ञान से वंचित न रहें।

सर्दियों में कैसे बचाएं अपने दिल को

बदलते लाइफ स्टाइल के इस दौर में हार्टअटैक के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। पहले लोगों का ऐसा मानना था कि 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग ही इसकी चपेट में आते हैं, परन्तु अब ऐसा नहीं रह गया है। 30 से 40 साल के लोगों में भी इसका खतरा होता है। वैसे तो हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है परन्तु जाड़े में ऐसे मरीजों का औसत दर ज्यादा बढ़ जाता है। इसका मुख्य कारण जाड़े में खून की नलियों का सिकुड़ना है। राजेंद्र आयुर्विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान , रांची के डॉक्टर संजय सिंह का कहना है कि जाड़े में खून की नलियां ज्यादा सिकुड़ती हैं। जब खून की नलियां सिकुड़ने लगेंगी तब रक्त का प्रवाह धीरे-धीरे कम होने लगेगा, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय - डॉक्टर संजय के अनुसार जब ठंड ज्यादा बढ़ जाए तो उससे बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सुबह टहलने वाले लोग मौसम के अनुकूल अपने समय में बदलाव करें। ज्यादा सुबह न निकलें। ज्यादा दूरी तक न टहलें। जो लोग ब्लडप्रेशर, हार्ट, शुगर आदि के मरीज हैं वे डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

खाने में क्या लें - मौसमी फल, सलाद एवं आंवले जरूर लें। सलाद में भी प्याज एवं टमाटर ज्यादा से ज्यादा लें।

लक्षण - जब अपने शरीर में अप्रत्याशित बदलाव महसूस करें। जैसे ज्यादा पसीना आना, घबराहट, चक्कर आना एवं सीने में दर्द महसूस होना। पेट खराब एवं उल्टी होना ठंड लगने के लक्षण हैं। जैसे ही इसका अहसास हो, डॉक्टर के पास तुरंत जाएं।

सर्दी-जुकाम-खासी को ऐसे दें शिकस्त

सर्दियों का मौसम आम तौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, किंतु यदि आप कफ विकार से ग्रस्त है तो इससे आप सर्दियों के पूरे मौसम में जुकाम-खासी व सांस रोग से परेशान हो सकते हैं। प्रस्तुत हैं, इन तकलीफों से निजात पाने के उपाय

- ठडा पानी या ठडे पेय लेने के बजाय गुनगुना पानी पिएं। अदरक डालकर सब्जियों का सूप पिएं।
- तेज भूख लगने पर ही भोजन करे, क्योंकि कम भूख या भूख के बगैर भोजन लेने से हाजमा सही नहीं होगा और कफ बनेगा।
- गेहू के आटे में चौथाई या आधी मात्रा में चने का आटा मिलाकर रोटी बनाएं। यदि चावल खाना है, तो उसमें काली मिर्च, तेज पत्ता आदि गर्म मसाला मिलाएं।
- भोजन खूब चबाकर करें और भूख से थोड़ा कम खाएं।
- कब्ज न रहने दें। इसके लिए प्रात- गर्म पानी पीकर व्यायाम करने के बाद शौच जाएं।
- दिन में तीन से चार बार सरसों का या बादाम का तेल 4-5 बूंद नाक में डालकर कफ निकालें।
- नासिका क्षेत्र में मैग्नेट का साउथ पोल 5 मिनट तक घुमाने से साइनोसाइटिस में लाभ मिलता है।
- पीठ की ओर से गर्म पानी की थैली से सुबह शाम सेंक करने से फेफड़ों की सर्दी बहुत जल्दी दूर हो जाती है।

सावधानिया

- रात को बायीं करवट सोएं।
- कानों में ठडी हवा का झोंका न लगे, इसके लिये कान में रुई लगाए रखें।
- अगर आप जलनेति करते हैं, तो उसके बाद विरेचन प्राणायाम करे।
- खुले पैर घास में न टहले।
- ठंडे खाद्य व पेय पदार्थ ग्रहण न करें।

वेडिंग डाइट प्लान

फिट रहना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन होने वाली दुल्हन के लिए अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना अनिवार्य है। दौड़भाग, शादी की तैयारिया और तनाव के चलते डाइट पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। फोर्टिस हॉस्पिटल की चीफ डाइटीशियन किरण दलाल और क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट निधि सरीन बता रही हैं भावी दुल्हन अपनी डाइट का प्लान कैसे करे कि वजन नियंत्रित रहे....

आमतौर पर लड़कियों का वजन शादी से पहले तीन कारण से बढ़ता है- भागदौड़, तनाव और लगातार पार्टी। इसी तरह शादी के बाद वजन बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं- प्रेग्नेंसी, शादी के बाद परिवार, घर और अन्य जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाना कि खानपान पर ध्यान न दे पाना, पति के साथ उनकी तरह ही पोर्शन लेना, जाने-अनजाने वे एक्स्ट्रा कैलोरी ले लेती हैं। एक बार फैट शरीर पर चढ़ने लगता है तो उसे रोकना काफी मुश्किल होता है। बेहतर होगा अगर पहले से ही खानपान की कुछ आदतों पर अमल किया जाए और डाइट प्लान बनाया जाए। अगर आप शादी से पहले और बाद में अतिरिक्त वजन को हटाना चाहती हैं तो यहा दी गई बातों पर गौर फरमाएं।

शादी से पहले

- अपने दिन की शुरुआत नींबू मिले गर्म पानी से करें। इसमें क्रश किए हुए पुदीने के पत्ते भी मिला सकती हैं।
- जब भूख लगे सूप या जूस पिएं।
- अगर आप कैलोरी में कटौती करना चाहती हैं तो सबसे पहले चीनी, आइसक्रीम, केक, पेस्ट्री और प्रोसेस्ड फूड को अपने आहार से हटाएं।
- रोजाना के हिसाब से अपना लक्ष्य बनाएं। प्रतिदिन आपको 1,600 कैलोरी मिलनी चाहिए, लेकिन इससे कम करने की कोशिश करें। यह ध्यान रखें कि दिनभर में आपको कम से कम तीन मील्स और दो स्नैक्स मसलन फल या रोस्टेड नट्स या फिर स्टीम्ड फर्मेंटेड फूड लेने हैं।
- दिन की शुरुआत के लिए ब्रेकफास्ट बहुत जरूरी है। इसमें मीठे से बचें। लो फैट मिल्क प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। एक-दो सर्विंग मल्टीग्रेन सीरियल, स्प्राउट्स या बींस और कटे हुए फल लें। इससे आपको ब्रेकफास्ट से लगभग 300 कैलोरी मिलेगी। बाकी कैलोरी आपको लंच और डिनर से मिलनी चाहिए।
- लंच/डिनर में होलग्रेन सीरियल, दालें या ग्रिल्ड फिश या चिकेन के एक टुकड़े के साथ लो फैट प्रोबायोटिक दही, सलाद और एक बोल स्टीम्ड रंगीन सब्जिया लें।
- शादी से एक महीने पहले अचानक पांच किलो वजन घटाना भी ठीक नहीं है। अगर ऐसा चाहती हैं तो इसके लिए आपको शादी से छह महीने पहले अपने आहार पर ध्यान देना होगा। इसका सीधा असर आपके बाल और त्वचा पर पड़ेगा।
- अच्छी त्वचा के लिए गाजर, एप्रिकॉट, पीले और नारंगी रंग के फल व सब्जिया खाएं। पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों को प्राथमिकता दें। टमाटर खाएं, उसमें लाइकोपीन पाया जाता है।
- अखरोट खाएं, इसमें ओमेगा फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो बालों को चमकदार और त्वचा को बेहतर बनाता है।
- दिनभर में चार-पांच कप ग्रीन टी पिएं।
- इस दौरान अल्कोहॉल व धूम्रपान से दूर रहें।
- सैलेड, सूप और फलों का सेवन करने से फैटी एसिड मिलेगा, जिससे आपको एनर्जी भी मिलेगी।
- त्वचा में पानी की कमी न होने दें। दिनभर में पर्याप्त पेय पदार्थ जैसे जूस, सूप, पानी खूब पिएं।

शादी के बाद

- जो कुछ भी खाएं धीरे-धीरे और खुश होकर खाएं। टीवी के सामने या बात करते हुए न खाएं। धीमी गति से खाने से आपको जल्दी ही पेट भरा हुआ महसूस होगा।
- ब्रेकफास्ट एक साथ करें। जिसमें एक बाउल फरूट्स, मूसली या फिर ओटमील हो।
- लंच में हरी सब्जियों वाला सूप जरूर लें। नॉन वेजेटेरियन हैं तो प्रॉन्स को प्राथमिकता दें।
- उस समय कतई न खाएं, जब आप तनाव या गुस्से में हों।
- ब्लैक कॉफी, जंक फूड, चाय से जहा तक हो सके दूर रहें। रिफाइंड प्रोडक्ट से बचें।
- पार्टनर के साथ एक्सरसाइज जरूर करें। फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाने से दिल की सेहत अच्छी रहती है। कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है। डिनर के बाद रोजाना एक घटा टहलने का लक्ष्य बनाएं।
- एक-दूसरे के पोर्शन को मैच न करें, क्योंकि पुरुषों को दिनभर में अलग कैलोरी और स्त्रियों को भिन्न कैलोरी की जरूरत होती है। पुरुषों को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक कैलोरी की जरूरत होती है।
- जो भी खाएं पौष्टिक हो, लेकिन खाने की मात्रा हमेशा ध्यान में रखें।
- सब कुछ खाएं, लेकिन सीमित मात्रा में ताकि आप फिट और स्वस्थ रहें। संतुलित डाइट लें। खाने पर नियंत्रण का यह मतलब नहीं कि आप एक्सरसाइज करना छोड़ दें। साथ-साथ वह भी जरूरी है।

डांस करके घटाइए वजन

डांस के दौरान हाथ-पैरों के साथ ही पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है। डांस करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बहुत तेज होता है,साथ ही शरीर की मांसपेशियों पर भी काफी खिंचाव पड़ता है,जो स्वस्थ बनाए रखता है। मोटापे से ग्रसित वे लोग, जिन्हें योगा और जिम जाना अच्छा नहीं लगता है,डांस के द्वारा मोटापे पर नियंत्रण पा सकते हैं। जी हां,डांस करने से मनोरंजन तो होता ही है,साथ ही इससे पूरे शरीर की कसरत भी हो जाती है। यह खुद को फिट रखने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे शरीर के हर एक अंग की अच्छी कसरत हो जाती है। हर रोज डांस करने से पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। डांस का दिमाग पर भी अनुकूल असर पड़ता है। इससे शरीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक बना रहता है। जो लोग थोड़ी देर तक ही सही लेकिन नियमित डांस करते हैं,उनको मोटापे की समस्या नहीं होती और वे स्वस्थ बने रहते हैं। डांस फ्लोर पर कम से कम पांच मिनट डांस करने मात्र से शरीर की तीस कैलोरी ऊर्जा बर्न हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग कम उम्र में ही डांस करना शुरू कर देते हैं,उन्हें कम तनाव होता है और उनकी सेहत फिट बनी रहती है।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्मोकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है। चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्मोकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

मन को जोड़ें सांसों से

मन को काबू में करने का मतलब है अपनी अनियंत्रित विचारशैली को नियंत्रित करना। मन को सांसों से जोडिए। प्राणवायु से जुड़ते ही बेलगाम मन पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। अपने विचारों को रोकने का प्रयास करें। विचार रूकते ही मन धीमा होगा, इसे फिर सांसों से जोड़ दें। मन का सांस से गहरा संबंध है। मन सारी इंद्रियों का स्वामी है और सांस मन का। इसलिए श्वास के नियंत्रण से हम चित्त को स्थिर करके आंतरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। जब भी बेचैनी हो, मन अशांत हो, तनाव हो, तो पद्मासन में बैठकर सांस भीतर खींचे, उसे थोड़ी देर भीतर ही रोकें, फिर धीरे-धीरे छोड़ दें। ऐसा प्रयोग दिन में दो-तीन बार करने से आप काफी सहज महसूस करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

राष्ट्रीय मतदाता दिवस-युवाओं से जिम्मेदारी और समझदारी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने का किया आह्वान

कठुआ, 24 जनवरी (हि.स.)। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन कठुआ द्वारा जिला खेल स्टेडियम में ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देना और नागरिकों, विशेषकर युवाओं को मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों के लगभग 50 विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, देशभक्ति एवं लोकगीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश शर्मा ने प्रतिभागी छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि युवा मतदाताओं की जागरूक और नैतिक भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने युवाओं से जिम्मेदारी और समझदारी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा

पुंछ, 24 जनवरी (हि.स.)। देशभर की तरह भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित पुंछ जिले में भी देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के दूसरे चरण के तहत शनिवार को जिला प्रशासन की ओर से वन्दे मातरम् तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

इस तिरंगा रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों खिलाड़ियों और युवाओं ने भाग लिया। नगर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम से शुरू हुई रैली की अध्यक्षता जिला विकास उपायुक्त पुंछ अशोक कुमार शर्मा और एस एसएसपी पुंछ शफकत हुसैन ने की। रैली नगर के विभिन्न हिस्सों से होती हुई पुलस्त्य नदी किनारे स्थित जागर पार्क में पहुंचकर सम्पन्न हुई जहां देशभक्ति के नारों से माहौल गूंज उठा।

इसी कड़ी में शनिवार को पुंछ जिला मुख्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल भी आयोजित की गई। इस अवसर पर ए एसपी पुंछ मोहन शर्मा और एडीसी ताहिर मुस्तफा मलिक बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड का निरीक्षण किया।

स्पोर्ट्स स्टेडियम मैदान में बिछी बर्फ की हल्की सफेद चादर और कड़ाके की ठंड के बावजूद पूरे जोश और अनुशासन के साथ डीएसपी ऑपरेशन अज़हर अमीन की अगुवाई में पुलिस बैंड की धुन पर पुलिस पुरुष एवं महिला कर्मियों, सीआरपीएफ एनसीसी और स्कूली बच्चों की कुल लगभग 29 टुकड़ियों ने कदम से कदम मिलाकर भव्य मार्च पास्ट में भाग लिया।

जीडीसी कठुआ में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर यूथ मैराथन का आयोजन

कठुआ, 24 जनवरी (हि.स.)। वंदे मातरम की 150 गौरवशाली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सरकारी डिग्री कॉलेज कठुआ में यूथ मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, एकता, शारीरिक फिटनेस और राष्ट्रीय गर्व की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनोहर लाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम त्याग, समर्पण और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों से ऐसे राष्ट्रहितकारी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। लड़कों की श्रेणी में सेमेस्टर-1 के वंश सिंह ने प्रथम, सेमेस्टर-5 के बलबीर ने द्वितीय और सेमेस्टर-1 के दीपक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं लड़कियों की श्रेणी में सेमेस्टर-1 की रूपाली प्रथम जबकि सेमेस्टर-6 की रिवा और राखी द्वितीय व तृतीय रहीं। कार्यक्रम का समन्वय शारीरिक निदेशक प्रो. संदीप शर्मा ने किया।

हर आतंकी साजिश नाकाम होगी : पूर्णिमा

जम्मू, 24 जनवरी (हि.स.)। पूर्णिमा शर्मा भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उप महापौर ने कठुआ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी को सफलतापूर्वक मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की जमकर सराहना की और इसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी सफलता और राष्ट्र के शत्रुओं के लिए एक स्पष्ट चेतावनी बताया।

अपने बयान में पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित सुरक्षा बलों की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई उनकी उच्च स्तरीय तत्परता, समन्वय और राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कठुआ ऑपरेशन एक बार फिर साबित करता है कि सुरक्षा बल चौबीसों घंटे सतर्क रहते हैं और किसी भी आतंकी खतरे को बेअसर करने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने आतंकवाद को बढ़ावा देने की पाकिस्तान की नीति की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हर साल विशेषकर गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के आसपास, पाकिस्तान जानबूझकर आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर में भेजकर शांति भंग करने और निर्दोष नागरिकों में भय पैदा करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा, ये बार-बार किए जाने वाले प्रयास स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की हताशा और क्षेत्र में शांति, स्थिरता और लोकतांत्रिक मजबूती को स्वीकार करने में उसकी असमर्थता को दर्शाते हैं।

बारिश और बर्फबारी के बाद 944 मेगावाट से अधिक बिजली आपूर्ति बहाल : जेपीडीसीएल

जम्मू, 24 जनवरी (हि.स.)। जम्मू डिवीजन के विभिन्न हिस्सों में लगातार बारिश और भारी बर्फबारी के बाद जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जेपीडीसीएल) ने बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए युद्धस्तर पर बिजली बहाली का काम शुरू कर दिया है। बहाली प्रयासों के परिणामस्वरूप जेपीडीसीएल की बिजली आपूर्ति धीरे-धीरे बढ़ाई गई है और वर्तमान में लगभग 1056 मेगावाट के सामान्य औसत परिचालन भार के मुकाबले 944 मेगावाट तक पहुंच गई है जो आपूर्ति की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाता है। सब-ट्रांसमिशन स्तर पर 181 में से 165 66/33 केवी लाइनें बहाल कर दी गई हैं। इसके अलावा कुल 483 रिसीविंग स्टेशनों में से 440, यानी 91त्न स्टेशन बहाल हो चुके हैं। इसी तरह, वितरण स्तर पर 1373 में से 987 11 केवी फीडर बहाल कर दिए गए हैं। इसके अलावा कुल 49,858 वितरण ट्रांसफार्मरों में से 36,491 ट्रांसफार्मर (73.19%) चालू कर दिए गए हैं जबकि शेष सुलभ फीडरों और वितरण ट्रांसफार्मरों की बहाली प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति काफी हद तक बहाल कर दी गई है जिसमें महत्वपूर्ण सेवाओं को प्रदान करने वाले आवश्यक और समर्पित फीडर भी शामिल हैं। मौसम में सुधार और लगातार जमीनी निगरानी के चलते ऊंचे इलाकों और आंतरिक क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति जल्द से जल्द बहाल होने की उम्मीद है। जेपीडीसीएल ने पूरे डिवीजन में जनशक्ति, मशीनरी और सामग्री जुटाकर नुकसान का आकलन किया है और सभी प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की है। जेपीडीसीएल दूरदराज और दुर्गम इलाकों पर विशेष ध्यान देते हुए बहाली कार्यों में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासनों के साथ भी घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए है।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर परिचालन हुआ सामान्य, दिल्ली की 6 उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 24 जनवरी (हि.स.)। बर्फबारी के कारण हवाई यातायात बाधित होने और कई उड़ानें रद्द होने के एक दिन बाद आज सुबह श्रीनगर हवाई अड्डे पर परिचालन सामान्य हो गया। हालांकि गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गईं।एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर जारी किए गए नोटैम (वायुमार्ग कर्मियों के लिए सूचना) के कारण आज सुबह दिल्ली से आने-जाने वाली छह उड़ानें रद्द कर दी गईं। उन्होंने बताया कि उड़ानें लगभग पूरी तरह से सामान्य हो गई हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से आने-जाने वाली उड़ानें सामान्य समय सारिणी के अनुसार चल रही हैं।उन्होंने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर सुबह 10:20 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक जारी किए गए नोटैम के कारण छह उड़ानें रद्द हुईं, बाकी सभी उड़ानें सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने यात्रियों को हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइन से नवीनतम उड़ान स्थिति की जानकारी लेने की सलाह भी दी।

जीडीसी बसोहली में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ/बसोहली, 24 जनवरी (हि.स.)। जीडीसी बसोहली में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. राज किरण शर्मा के संरक्षण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वंदे मातरम देश की एकता, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। प्रतियोगिता का आयोजन भौतिकी विभाग एवं एनएसएस यूनिट द्वारा संयुक्त रूप से किया गया जिसमें विभिन्न सेमेस्टर के 20 छात्रों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल में डॉ. शुभ कुमार रैना, डॉ. सूर्या प्रताप सिंह और डॉ. रोशन लाल शामिल रहे। प्रतियोगिता में सेमेस्टर 4 की सुमन कुमारी ने प्रथम, सुषमा देवी ने द्वितीय और सेमेस्टर 6 की नेहा देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ।

श्रीनगर पुलिस ने लावेपोरा में व्यापक तलाशी अभियान किया शुरू

श्रीनगर, 24 जनवरी (हि.स.)। श्रीनगर पुलिस ने शनिवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके लावेपोरा में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि कई सुरक्षा इकाइयों को काम पर लगाया गया है और इलाके में व्यापक घेराबंदी की गई है। उन्होंने कहा, सभी घरों और खुले मैदानों की गहन जांच की जा रही है, विशेषकर उन जगहों की जिन पर संदेह है।

उन्होंने आगे बताया कि इलाके में संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही की सूचना मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि चल रही तलाशी के दौरान इलाके को पूरी तरह से सील रखने के लिए अन्य एजेंसियों से भी अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

कश्मीर भर में बर्फ हटाने का काम जारी, 75 प्रतिशत सड़कें साफ : संभागीय आयुक्त

श्रीनगर, 24 जनवरी (हि.स.)। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कश्मीर भर में बर्फ हटाने का काम जारी है और हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद लगभग 75 प्रतिशत सड़कें साफ हो चुकी हैं।

संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने बताया कि लगभग 20,000 किलोमीटर सड़कों में से लगभग 15,000 किलोमीटर सड़कें अब तक साफ हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि आंतरिक सडकों पर सफाई का काम जारी है और आज शाम तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि सड़क संपर्क बहाल करने के लिए यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, सड़क एवं भवन विभाग, पीएमजीएसवाई और अन्य एजेंसियों की समन्वित योजना लागू की जा रही है। स्वतंत्र मौसम पर्यवेक्षक फैजान आरिफ ने बताया कि कश्मीर में भारी बर्फबारी के बाद जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था लेकिन अब पश्चिमी विक्षोभ के क्षेत्र से निकल जाने के बाद मौसम में सुधार होने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि अगले 48 घंटों में मौसम काफी हद तक शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि उन्होंने बताया कि अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां, बारामूला, बडगाम, बांदीपोरा और किश्तवाड जिलों के कुछ हिस्सों में रात भर में कुछ इंच और बर्फबारी दर्ज की गई जबकि राजौरी शहर में भी बर्फबारी हुई जो एक दुर्लभ घटना है। लगभग एक दशक से जिन इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई थी, वहां भी बर्फबारी हुई है।

श्रीनगर में आग लगने की घटना में गेस्ट हाउस क्षतिग्रस्त, नागरिक घायल

श्रीनगर, 24 जनवरी (हि.स.)। शनिवार सुबह श्रीनगर के डल गेट के पास एक गेस्ट हाउस में आग लग गई, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया और एक नागरिक घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि गेस्ट हाउस में आग लगी जिसके बाद दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया लेकिन आग बुझाने के दौरान एक नागरिक घायल हो गया।

कठुआ में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर दिया जोर

कठुआ, 24 जनवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर खेल स्टेडियम कठुआ में सामाजिक कल्याण विभाग के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा, एडीसीसी सुरिंदर कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी वरुण कुमार चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपायुक्त ने 1 से 3 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं से संवाद किया और उन्हें बेबी केयर किट वितरित किए। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत संचालित विभिन्न कल्याणकारी पहलों की जानकारी देते हुए कहा कि ये योजनाएं जिले में बड़ी संख्या में लाभार्थियों तक पहुंच रही हैं और बालिकाओं

के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा दे रही हैं। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सामूहिक शपथ समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त भारत के लक्ष्य को दोहराने के साथ हुआ।

जम्मू पुलिस ने बिश्ना क्षेत्र से दो नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया

जम्मू, 24 जनवरी (हि.स.)। जम्मू में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए जम्मू पुलिस ने बिश्ना पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दो नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। ये गिरफ्तारियां बिश्ना पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 15 2026 की जांच के दौरान की गईं। विशिष्ट सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम ने इलाके में निगरानी तेज कर दी।

ऑपरेशन के दौरान बिश्ना पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर राकेश जमवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या पीबीडीटी-8788 वाली एक इनोवा गाड़ी को रोका। गाड़ी में सवार लोगों की गहन तलाशी लेने पर लगभग 15 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ और 20 पॉलोजसिक कैप्सूल बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील कुमार पुत्र चमन लाल और अजय कुमार पुत्र सत पाल के रूप में हुई है दोनों निवासी देवली बिश्नाह हैं।

जम्मू पुलिस ने बताया कि बरामद नशीले पदार्थ और अपराध में इस्तेमाल किया गया वाहन कानून के अनुसार जब्त कर लिया गया है। दोनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और नशीले पदार्थों के नेटवर्क में उनकी आपूर्ति श्रृंखला जिसमें आगे और पीछे के संबंध शामिल हैं का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

फुल ड्रेस रिहर्सल में डीसी कठुआ ने फहराया तिरंगा, परेड टुकड़ियों की सलामी ली

कठुआ, 24 जनवरी (हि.स.)। आगामी गणतंत्र दिवस समारोहों को लेकर शनिवार को कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त कादुआ राजेश शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और परेड में शामिल विभिन्न टुकड़ियों की सलामी ली। परेड में पुलिस, होम गार्ड्स, एनसीसी, स्कूली छात्र-छात्राओं सहित अन्य विभागों की टुकड़ियों ने भाग लिया। सभी टुकड़ियों ने अनुशासन, तालमेल और देशभक्ति की भावना का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सभी को शुभकामनाएं दीं और 26 जनवरी 1950 के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया, जब भारत ने अपना संविधान अपनाकर एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि संविधान हमें न केवल मौलिक अधिकार देता है बल्कि राष्ट्र, समाज और नागरिकों के प्रति हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उपायुक्त ने सुरक्षा बलों, एनसीसी कैडेट्स, विद्यार्थियों एवं सभी प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और टीमवर्क की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह का उत्कृष्ट प्रदर्शन निरंतर अभ्यास, समयबद्ध तैयारी और सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है। उन्होंने सभी टुकड़ियों को सफल रिहर्सल के लिए बधाई दी। युवाओं और छात्रों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए उन्होंने उन्हें अनुशासन, देशभक्ति और ईमानदारी को जीवन का मूल मंत्र अपनाने का आह्वान किया। साथ ही नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सद्भाव जैसे मुद्दों पर युवाओं की अहम भूमिका को भी रेखांकित किया। उपायुक्त ने विश्वास जताया कि पूर्ण ड्रेस रिहर्सल के सफल आयोजन से यह स्पष्ट हो गया है कि 26 जनवरी को मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह पूरी गरिमा, अनुशासन और देशभक्ति के उत्साह के साथ संपन्न होगा। उन्होंने परेड कमांडर, आयोजन समिति, सभी विभागों और प्रतिभागियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एडीसी कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा, एएसपी काठुआ राहुल चारक, एडीसी विशवजीत सिंह, एसीआर विशव प्रताप सिंह, जीएम डीआईसी मुश्ताक चौधरी, पीओ आईसीडीएस, सीपीओ रंजीत ठाकुर सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी

श्रीनगर, 24 जनवरी (हि.स.)। गुरुवार रात से कश्मीर घाटी के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी और जम्मू में बारिश लाने वाला पश्चिमी विक्षोभ अब क्षेत्र से निकल चुका है।मौसम विभाग ने शनिवार सुबह बताया कि अगले 48 घंटों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। शुक्रवार की भारी बर्फबारी के बाद अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां, बारामूला, बडगाम, बांदीपोरा और किश्तवाड के कुछ हिस्सों में मध्यरात्रि में कुछ इंच और बर्फबारी दर्ज की गई।राजौरी शहर में भी बर्फबारी हुई जिसे अधिकारियों ने एक दुर्लभ घटना बताया। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई जहां लगभग एक दशक से बर्फ नहीं गिरी थी। उन्होंने इसका कारण पश्चिमी विक्षोभ से जुड़ी ठंडी हवा का एक मजबूत झोंका बताया जिसके कारण अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में भी तापमान में अचानक गिरावट आई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 48 घंटों तक जम्मू-कश्मीर में मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि सोमवार, 26 जनवरी की दोपहर से एक और पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है जिससे केंद्र शासित प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

डोडा जिले के भलेसा क्षेत्र में पिछले 24 घंटों से लगातार दूसरे दिन भारी हिमपात जारी

डोडा, 24 जनवरी (हि.स.)। जम्मू संभाग के डोडा जिले के भलेसा क्षेत्र में पिछले 24 घंटों से लगातार दूसरे दिन भारी हिमपात जारी है। बर्फ से सड़कें और सेवाएं बाधित होने के कारण डोडा जिला प्रशासन की ओर से भलेसा के एसडीएम गंडोह ने निवासियों को सुरक्षा एहतियात के तौर पर घरों के अंदर रहने की सलाह दी है।

तापमान शून्य से नीचे गिर गया है। मैदानी इलाकों में लगभग एक फुट बर्फबारी दर्ज की गई है जबकि ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में लगभग दो से तीन फुट हिमपात हुआ है। बिजली और पानी की आपूर्ति सहित सभी आवश्यक सेवाएं बाधित हो गई हैं। भूस्खलन, गिरे हुए पेड़ों और भारी बर्फ जमाव के कारण राजमार्गों और संपर्क सड़कों सहित सड़कें अवरुद्ध हैं। क्षेत्र में स्थिति में सुधार होने तक केवल आपातकालीन सेवाओं को ही अनुमति दी गई है।

लगभग तीन महीने के लंबे सूखे के बाद शुक्रवार मध्यरात्रि से डोडा के भलेसा और उसके आसपास के मैदानी और ऊपरी इलाकों में हिमपात शुरू हो गया। बर्फ की चादर से पूरा क्षेत्र ढक जाने पर लोगों ने बहुप्रतीक्षित हिमपात पर राहत और खुशी व्यक्त की।

पूरे क्षेत्र में बर्फ की चादर बिछने से लोगों ने बहुप्रतीक्षित बर्फबारी पर राहत और खुशी का इजहार किया। शुक्रवार को रामबन जिले के बनिहाल कस्बे में भी इस मौसम की पहली भारी बर्फबारी हुई जिससे पूरा क्षेत्र बर्फ की चादर से ढक गया और शीत ऋतु का पूरा प्रभाव दिखाई देने लगा। बर्फबारी देर रात शुरू हुई और कई घंटों तक जारी रही जिससे तापमान में भारी गिरावट आई और दृश्यता कम हो गई। इसी बीच रामबन के बारामूला, बडगाम और पहाड़ी रिसॉर्ट शहर बटोटे में भी भारी बर्फबारी हुई जिससे पूरा इलाका मनमोहक सफेद चादर से ढक गया।

श्रीनगर के डलगेट स्थित गेस्ट हाउस में भीषण आग

श्रीनगर, 24 जनवरी (हि.स.)। श्रीनगर के डलगेट इलाके में एक गेस्ट हाउस में भीषण आग लग गई जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल अभियान जारी है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार आसपास के निवासी आपातकालीन सेवाओं के पहुंचने से पहले ही घटनास्थल पर पहुंच गए और होज़ पाइप और अन्य उपलब्ध उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास किया। इमारत से घना धुआं उठ रहा था जिसे देखकर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए।

आग लगने का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है।

पुलिस और बचाव दल को सूचित कर दिया गया है और वे आग बुझाने और जरूरत पड़ने पर लोगों को निकालने में सहायता के लिए घटनास्थल की ओर रवाना हो गए हैं।

संपादकीय

सड़क अवसंरचना विकास को देती है गति

यह सर्वविदित तथ्य है कि जिस क्षेत्र में बेहतर सड़क नेटवर्क होता है, उसे उन क्षेत्रों पर स्वाभाविक बढ़त मिलती है जहाँ यह सुविधा उपलब्ध नहीं होती। ऐसा इसलिए है क्योंकि सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में सड़कें शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक जीवन की अन्य आवश्यकताओं को सुलभ बनाकर व्यापक विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इस संदर्भ में वर्तमान केंद्रीय सरकार द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है, क्योंकि उसने अधिक से अधिक क्षेत्रों को सड़क नेटवर्क से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया है।

इसी कड़ी में, रिपोर्टों के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 10,000 किलोमीटर से अधिक सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। यह ग्रामीण विकास विभाग की 'विकसित भारत' के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

इस प्रकार का विकास जम्मू-कश्मीर जैसे क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है, जहाँ आज भी कई स्थान सड़क संपर्क से वंचित हैं। सड़क सुविधा के अभाव में वहाँ की आबादी को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि आवागमन मुश्किल हो जाता है, जिससे विकास बाधित होता है और बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं।

सड़क से जुड़ा कोई भी क्षेत्र विकास के मोर्चे पर अनेक सकारात्मक परिवर्तन देखता है, जो अन्यथा लगभग असंभव होते हैं। आज के समय में सड़कें प्रगति के लिए एक अनिवार्य शर्त बन चुकी हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों के लिए यह पहल किया जाना प्रशंसनीय है।

बताया गया है कि पीएमजीएसवाई के इस चरण के तहत 3,200 से अधिक दूरस्थ बस्तियों को सड़क संपर्क मिलेगा, जिससे जम्मू-कश्मीर सहित हजारों लोगों को आधुनिक समय में आवश्यक महत्वपूर्ण सेवाओं तक पहुँच प्राप्त होगी और उन्हें सड़क सुविधा से वंचित जीवन से मुक्ति मिलेगी।

वैश्विक विश्वास बहाली के लिए भारत को अभी कई कदम चलना है

ऐसे ही अन्य प्रमुख क्षेत्रों की बात करें तो भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था अब दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बन चुकी है। सैन्य शक्ति के मामले में ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स जैसी रैंकिंग के अनुसार भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। ऊर्जा क्षेत्र में सौर तथा पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत आज दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में शामिल है। इसके साथ ही कच्चा इस्पात उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। निश्चित ही ये सभी आंकड़ें हमें उत्साह से भर देते हैं, किंतु इसके बाद भी विश्व के देशों के बीच विश्वास बहाली में अभी भी हमको अनेक कदम सफलता से पार करने की आवश्यकता है।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की उपस्थिति आज आर्थिक, औद्योगिक, कृषि, तकनीकी, ऊर्जा और सैन्य क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के समकक्ष पहुंच गई है। विश्व में भारत जनसंख्या के नजरिए से दूसरे स्थान पर है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल हमने किया है। क्रय शक्ति समानता के आधार पर भारत पहले से ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्र में भी भारत ने बड़ा उछाल दर्ज किया है। एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स में भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल है और मोबाइल फोन निर्माण के क्षेत्र में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन चुका है। इसी तरह फार्मास्युटिकल उद्योग में भारत को दुनिया की 卐फार्मेसी卐 कहा जाता है क्योंकि यह जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा वैश्विक आपूर्तिकर्ता और फार्मा उत्पादन में शीर्ष तीन देशों में शामिल है।

इसी तरह से कृषि क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति और भी मजबूत है। वह आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। दालों और मसालों के उत्पादन में भारत विश्व में पहला स्थान रखता है, जबकि चावल और गेहूं के उत्पादन में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीनी उत्पादन और उपभोग दोनों में भारत वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। वस्तुत- ये आँकड़े बताते हैं कि भारत खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर होने के साथ ही वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्षेत्र में भारत की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है और कई रिपोर्टों के अनुसार यह क्षेत्र भारत को वैश्विक स्तर पर पहला या शीर्ष स्थान दिलाता है। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत आज डिजिटल लेनदेन के मामले में दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल हो चुका है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

ऐसे ही अन्य प्रमुख क्षेत्रों की बात करें तो भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था अब दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बन चुकी है। सैन्य शक्ति के मामले में ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स जैसी रैंकिंग के अनुसार भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। ऊर्जा क्षेत्र में सौर तथा पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत आज दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में शामिल है। इसके साथ ही कच्चा इस्पात उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। निश्चित ही ये सभी आंकड़ें हमें उत्साह से भर देते हैं, किंतु इसके बाद भी विश्व के देशों के बीच विश्वास बहाली में अभी भी हमको अनेक कदम सफलता से पार करने की आवश्यकता है।

कहना होगा कि अभी भी भारत दुनिया के देशों में अपने को लेकर वह भरोसा नहीं पैदा कर पाया है, जोकि उसे लेकर होना ही चाहिए, क्योंकि उसका मूख्य ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुंबकम् अर्थात् पूरी धरती ही एक परिवार है में निहित है। किंतु 2026 की पासपोर्ट रैंकिंग के आए आंकड़े क्या कहते हैं यह कि 2026 में भारत 80वें स्थान पर है, जो पिछले साल के मुकाबले पांच पायदान ऊपर जरूर आया है, किंतु संतोष जनक या उत्साहवर्धक नहीं हैं। हालांकि 2025 में भारत 85वें पायदान पर था, यह सच है कि हमारी स्थिति पहले से लगातार सुधर रही है और वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 55 देशों में वीजा फ्री या वीजा ऑन अराइवल सुविधा मिलती है। माना कि यह सुधार सकारात्मक संकेत देता है, लेकिन साथ में ये भी विचार किया जाए कि हमसे आगे 54 देश कौन से हैं

इस साल सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे शक्तिशाली घोषित किया गया। इसका अर्थ यह है कि सिंगापुर का पासपोर्ट रखने वाला व्यक्ति बिना वीजा 192 देशों में यात्रा कर सकता है। सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिन्हें 188 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिलती है। यूरोप के कई देश तीसरे और चौथे पायदान पर हैं, जबकि संयुक्त अरब अमीरात ने बीते दो दशकों में 57 पायदान की छलांग लगाते हुए खुद को टॉप 5 में पहुंचा दिया है।

अमेरिका की स्थिति भी चर्चा में है, पिछले साल गिरावट के बाद अमेरिका फिर टॉप 10 में लौट आया है और 179 देशों में वीजा फ्री पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और मलेशिया भी टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इसके उलट दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट की सूची में अफगानिस्तान सबसे नीचे है। अफगान पासपोर्ट के साथ केवल 24 देशों में बिना वीजा यात्रा संभव है, उसके बाद सीरिया (100वें), इराक (99वें), पाकिस्तान (98वें), यमन और सोमालिया जैसे देश हैं।

ये रिपोर्ट कहती है कि आज सबसे मजबूत और सबसे कमजोर पासपोर्ट के बीच 168 देशों का अंतर हो चुका है। पाकिस्तान 98वें रैंक में आकर टॉप 100 में आने में कामयाब हो गया। पिछले साल यह 103 पर था। अब इसमें बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम अपनी तुलना इस संदर्भ में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल या अपने अन्य पड़ौसी देशों से करें क्या ये तुलना सही होगी या फिर हमें विकास के शीर्ष देशों और चीन, जर्मनी, कोरिया, जापान के साथ अमेरिका, युरोप के बड़े और सफल देशों के साथ अपनी तुलना करनी चाहिए!

इस हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में वैश्विक रैंकिंग में चीन इस वर्ष 59वें स्थान पर है। चीनी पासपोर्ट धारक अब दुनिया के 81 देशों में बिना पूर्व वीजा (वीजा-मुक्त या आगमन पर वीजा) के यात्रा कर सकते हैं। पिछले एक दशक में चीन की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। 2015 में यह 94वें स्थान पर था, जो अब 59वें पर आ गया है। इसी तरह से टॉप 10 में शामिल सिंगापुर समेत जैसा कि बताया गया है कि आज जापान, साउथ कोरिया, डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, यूएई, क्रोएशिया, चेकिया, एस्टोनिया, माल्टा, न्यूजीलैंड, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, लातविया, लिकटेंस्टाइन, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, आइसलैंड, लिथुआनिया, मलेशिया और दसवें नंबर पर अमेरिका इसमें शामिल है।

यहां ध्यान देने योग्य है कि कई देश इस सूची में दूसरे से लेकर 9वें स्थान पर एक साथ होने के कारण से इतने देशों के नाम यहां दिखाई दे रहे हैं, हमारे लिए विचारणीय यह है कि इसमें कई देश आज ऐसे भी शामिल हैं जो बहुत छोटे इतने कि भारत के एक राज्य से भी छोटे हैं, तब भी वे हमसे 卐पासपोर्ट इंडेक्स卐 में आगे हैं! इसका मतलब यह है कि वैश्विक बहाली और भरोसेमंद राष्ट्र बनने के लिए हमें अभी बहुत आगे तक जाना है, भरोसा सिर्फ बड़ा देश या शक्ति सम्पन्न होने से ही नहीं आता, यह भरोसा आपके नियमित व्यवहार, शक्ति, सामर्थ्य, आर्थिक विकास, अतिथियों के प्रति आपका व्यहार जैसे सभी सद्गुणों एवं विकास के स्थरि मापदंडों के कारण से भी आता है। ऐसे में हम समग्र रूप से इन सब में कहां खड़े हैं, इसका विचार तो हम सीभ को एक बार जरूर करना ही चाहिए, आखिर क्यों नहीं हम सब कुछ होने के बाद भी चीन से भी बहुत पीछे दिखाई देते हैं

अरावली पर्वतमाला : अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है।

21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देश दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेश को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेश चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है।

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है।

अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल, अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने है। एक ओर अरावली के संरक्षण की आवश्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है।

सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हालांकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेश में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्लेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही।

सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार को सख्ती से अवैध खनन गतिविधियों को रोकना भी चाहिए पर यह भी साफ हो जानी चाहिए कि वैध खनन को प्रोत्साहित करके ही अवैध खनन पर कारगर रोक संभव है और दूसरी यह कि सरकार के साथ ही आमजन को भी सक्रिय होने के साथ ही अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। अवैध खनन गतिविधियां जहां भी हो रही है वहां के नागरिकों को भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से आगे आना चाहिए ताकि अरावली के संरक्षण में ठोस सहभागिता हो सकें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गणतंत्र का उत्सव और बसंत पंचमी

हृदयनारायण दीक्षित

कल भारतीय गणतंत्र की 76वीं वर्षगांठ है। राष्ट्र अपने गणतंत्र दिवस को लेकर बहुत उत्साहित है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। अतिरिक्त गणतंत्र का उत्सव और बसंत पंचमी साथ-साथ हैं। वैसे गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी एक दिन के ही उत्सव नहीं हैं। बसंत पंचमी हर बरस आती है। हवाओं में भी गंध होती है। फूलों का यौवन आकर्षित करता है। यह आकर्षण दैहिक नहीं है। शीत ऋतु विदा हो रही है और बसंत उत्सव विस्तृत हो रहा है। नदियां शांत प्रशांत होकर बह रही हैं। बसंत पंचमी सरस्वती की भी जन्मतिथि है।

आनंद का अवसर है कि भारत में दोनों उत्सव साथ-साथ आते हैं। महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की 'सरस्वती वंदना' राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय है, 卐वर दे, वीणावादिनी वर दे! प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव भारत में भर दे! वर दे, वीणावादिनी वर दे।卐 उत्सवों के कर्मकाण्ड प्रायः सरस्वती वंदना से शुरू होते हैं। सरस्वती वाग्देवी हैं। ज्ञानदात्री हैं। सिद्धिदात्री हैं। वे सामान्य ज्ञान तो देती ही हैं। ऋग्वेद के ऋषि कहते हैं, 卐कवि सरस्वती की कृपा से ही बनते हैं और प्रतिष्ठित होते हैं।卐 भारत की स्मृतियों के भीतर भी सरस्वती बहती हैं। इसी सरस्वती के तट पर यज्ञ होते थे। गीत गाए जाते थे। ज्ञान की आराधना होती थी। ऋषियों ने सरस्वती को नदीतमा कहा है। कुछ इतिहास के विद्वान सरस्वती को कवि की कल्पना मानते हैं। लेकिन सरस्वती का पता चल चुका है। वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो या न हो, सरस्वती भारत की श्रुति में और स्मृति में पहले से ज्यादा प्रवाहमान होकर बहती हैं।

बसंत का रूप मनोहारी सुंदरता में दिखाई पड़ता है। मगर स्पर्श में नहीं आता। मन करता है कि फूल की गंध का स्पर्श करूँ। रूप, रस, गंध, सौंदर्यबोध के परिणाम हैं और भारतवासियों का सौंदर्यबोध विश्व में अनूठा है। पौराणिक काल में बसंत को मदनोत्सव भी कहा गया है और मदनोत्सव कोई कर्मकाण्ड नहीं है। प्रकृति के सत्य को देखना पर्याप्त नहीं है। प्रकृति को शिव कल्याणकारी भी होना चाहिए और सत्य व शिव सौंदर्यविहीन नहीं हो सकते। सत्य सत्य है और वही शिव भी है और वही सुंदर। भारतीय सौंदर्यबोध गहरा है। ब्रह्म संपूर्णता है। ब्रह्म का बोध आनंददाई होता है और सौंदर्य का बोध अस्थाई। पूर्वज जानते थे कि सौंदर्य का आकर्षण अल्पकालिक होता है और सौंदर्यबोध भी। संस्कृत कवियों ने सौंदर्य की भावना को एकाग्रता लाने वाला बताया है। अभिनव गुप्त ने इसे दीत विधना पतीत कहा है।

हमारी दृष्टि के सामने अनेक वस्तुएं आती हैं। उनमें से कुछ हमारी भौतिक सत्ता पर अधिकार कर लेती हैं और भौतिक सत्ता का ज्ञान हवा हो जाता है। अद्वैत दर्शन के अनुसार, 卐स्थूल या सूक्ष्म जगत में आत्मा की अभिव्यक्ति ही सौंदर्य है।卐 प्रकृति बहुरूपिया है। ब्रह्म एक है। अभिव्यक्तियां अनेक हैं। प्रकृति में रूप हैं। रंग हैं। सौंदर्य है। रस है। नाद है। गंध है। पृथ्वी सगंधा है। प्रकृति के रूप और रंग का आनंद सौंदर्यबोध देता है। बसंत की वायु नाचते, गीत गाते, डरते डरते, चुपके-चुपके हमें सहलाते हुए चली जाती है। कोयल बोलती है। कोयल की बोली आनंदित करती है। कोयल का गीत सुनाई पड़ता है। हम उन्हें छू नहीं सकते।

अरस्तू ने कला को प्रकृति की अनुकृति बताया है। भारतीय संस्कृति और दर्शन की परंपरा में ऋतुओं के रुपायन के साथ नृत्य और गीत का भी सुंदर विकास हुआ। महाभारत में संगीत का स्पष्ट उल्लेख है। अर्जुन ने इन्द्र से अस्त्र विद्या सीखी। वनपर्व के अनुसार अर्जुन ने युधिष्ठिर से कहा, 卐मैं विराटनगर की स्त्रियों को गीत, नृत्य और वाद्य की शिक्षा दूंगा।卐 महाभारत में संगीत और प्रकृति की आत्मीयता साफ सुनाई पड़ती है। यहां अलग-अलग राग हैं। दिवसों और प्रहारों के भी राग हैं।

ऋग्वेद में बताया गया है कि संगीत और वाणी को सात स्वरों में मापा गया है। सरगम संगीत का माप है, स, रे, ग , म, प, ध, नी, स नाम से विख्यात भारतीय सरगम दुनिया का प्राचीनतम सुरमाप है। भारतीय रागों में प्रकृति की छटा है और छटा सुनाई भी पड़ती है। सौंदर्य को ध्वनि रूप प्रस्तुत करना बड़ा काम है। ध्वनि कान से भीतर जाती है और दृश्य आंख से। जो आंख से दर्शनीय है, उसे कान से सुनना कठिन है। लेकिन भारत में ऐसा असंभव संपन्न हो पाया।

भारत में 6 ऋतुएं हैं और प्रत्येक ऋतु का अपना राग है। भैरव, डिंडोल, मेघ, श्रीराग, दीपक तथा मालकोश मुख्य राग हैं। यहां प्रत्येक राग अर्थ देता है। जिसका विवाह पांच रागिनियों से हुआ है। इस तरह कुल 6 राग और 30 रागिनियां होती हैं। गीत संगीत की व्याख्या करना इस छोटे से आलेख में संभव नहीं है और मैं स्वयं इसका अधिकारी नहीं हूं।

भारत के संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को ठीक से जाना था इसलिए उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुरूप चित्र संविधान में जोड़े थे। उन्होंने संविधान की हस्तलिखित प्रति में सांस्कृतिक राष्ट्रभाव वाले 23 चित्र सम्मिलित किए। मुखपृष्ठ पर राम और कृष्ण तथा भाग 1 में सिन्धु सभ्यता की स्मृति वाले मोहनजोदड़ो काल की मोहरों के चित्र हैं। भाग 2 नागरिकता वाले अंश में वैदिक काल के गुरूकुल आश्रम का दिव्य चित्र है। भाग 3-मौलिक अधिकार वाले पृष्ठ पर श्री राम की लंका विजय व भाग 4-राज्य के नीति निर्देशक तत्वों वाले पन्ने पर कृष्ण अर्जुन उपदेश वाले चित्र हैं। भाग 5 में महात्मा बुद्ध, भाग 6 में स्वामी महाबीर और भाग 7 में सम्राट अशोक के चित्र हैं। भाग 8 में गुप्त काल, भाग 9 में विक्रमादित्य, भाग 10 में नालंदा विश्वविद्यालय, भाग 11 में उड़ीसा का स्थापत्य, भाग 12 में नटराज, भाग 13 में भगीरथ द्वारा गंगावतरण, भाग 14 में मुगलकालीन स्थापत्य, भाग 15 में शिवाजी और गुरू गोविन्द सिंह, भाग 16 में महारानी लक्ष्मीबाई, भाग 17 व 18 में क्रमशः गांधी जी की दाण्डी यात्रा व नोआखाली दंगों में शान्ति मार्च, भाग 19 में नेताजी सुभाष, भाग 20 में हिमालय, भाग 21 में रेगिस्तानी क्षेत्र व भाग 23 में लहराते हिन्दु महासागर की चित्रावलि है।

संविधान पारण के बाद अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा 卐अब सदस्यों को संविधान की प्रतियों पर हस्ताक्षर करने हैं एक हस्तलिखित अंग्रेजी की प्रति है, इस पर कलाकारों ने चित्र अंकित किये हैं, दूसरी छपी हुई अंग्रेजी व तीसरी हस्तलिखित हिन्दी की।卐 (संविधानसभा कार्यवाही खण्ड 12 पृष्ठ 4261) भारतीय संस्कृति और इतिहास के छात्रों के लिए संविधान की चित्रमय प्रति प्रेरक हैं।

संविधान राष्ट्र का धारक होता है। यह राजधर्म है। भारत का संविधान दुनिया के किसी भी लिखित संविधान से बड़ा है। इसके कुछ हिस्से सामान्य संविधानों से उच्च स्तरीय हैं। भारत के संविधान निर्माताओं ने देश को संघ राज्य घोषित किया था। प्रत्यक्षतया भारत राज्यों का संघ है। संघीय ढांचे को लेकर अक्सर बहस चलती है। भारत अमेरिकी संघ जैसा संघ नहीं है। अमेरिकी संघ में राज्य स्थाई इकाइयां हैं और भारत में संसद द्वारा एक राज्य को दूसरे राज्य में आधा या पूरा समाहित किया जा सकता है। संविधान के अनेक प्रसंग हैं। 26 जनवरी इसी संविधान के लागू होने की महत्वपूर्ण तिथि है। बसंत की मस्ती में संविधान के प्रसाद का सुख और आनंद लीजिए। आप सबको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

स्क्वैश: भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई, पुरुष वर्ग में अभय सिंह की हार

एजेंसी

न्यूयॉर्क । पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्रॉट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी टुरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शॉट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा। अनाहत के इस प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दर्शाया। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायान से उन्हें केवल 9-11, 11-7, 3-11, 9-11 से हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था। दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे सीजन में विश्व रैंकिंग 28 तक पहुंचकर टॉप-20 खिलाड़ियों को चुनौती दी। हाल ही में चेन्नई में इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में उन्होंने पूर्व विश्व नंबर 10 जोशना चिनप्पा को पांच सेट के रोमांचक मैच में हराया। इसी तरह, इंदौर में डेली कॉलेज एसआरएफआई इंडियन ओपन में उन्होंने 13वां पीएसए खिताब जीता था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक मोखलेसुर रहमान के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत में आने की अनुमति नहीं देकर चर्चा में आया बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना भी कर रहा है। ऑडिट कमिटी के चेयरमैन मोखलेसुर रहमान पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं जिसकी जांच शुरू हो गई है। बीसीबी की इंटीग्रिटी यूनिट ने बोर्ड के निदेशक मोखलेसुर रहमान के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। ईएसपीएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक रहमान ने अपने पद से इस्तीफा भी दे दिया है। बीसीबी की इंटीग्रिटी यूनिट को आईसीसी इंटीग्रिटी यूनिट के पूर्व हेड एलेक्स मार्शल लीड कर रहे हैं, जिनके पास पहले से ही बोर्ड द्वारा बनाई गई एक स्वतंत्र कमिटी की 900 पेज की रिपोर्ट है, जिसमें पिछले बीपीएल सीजन में भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में बताया गया है। रहमान 6 अक्टूबर को हुए चुनावों से बीसीबी में निदेशक बने थे। आरोपों के बाद, उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रहमान इस महीने मुश्किल में पड़ने वाले दूसरे बीसीबी निदेशक हैं। बांग्लादेश के क्रिकेटरों ने 15 दिसंबर को बीपीएल मैचों का बहिष्कार किया था, जब एम नजमुल इस्लाम ने सोशल मीडिया और एक प्रेस ब्रीफिंग में उनके बारे में गलत कमेंट किए थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: भीषण गर्मी के कारण आउटडोर मैच रोके गए

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन भीषण गर्मी के कारण प्रभावित है। तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद शनिवार को आउटडोर कोर्ट पर होने वाले मुकाबलों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया और मुख्य शोकोर्ट की छतें बंद कर दी गईं। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए एक सख्त नीति लागू है, जिसमें चार प्रमुख कारकों–हवा का तापमान, रेडिएंट हीट, हवा की गति और आर्द्रता–का मूल्यांकन किया जाता है। जब ये सभी कारक मिलकर कंडीशन स्तर 5 तक पहुंच जाते हैं, तब खेल रोक दिया जाता है। इसी स्थिति के चलते शनिवार को कई मैचों को टालना पड़ा। दर्शकों को भी हाइड्रेटेड रहने, टोपी पहनने और स्टेडियम में लगाए गए मिस्टिंग फैन का उपयोग करने की सलाह दी गई। गर्मी का असर मौजूदा पुरुष चैंपियन जैनिक सिनर के मैच में साफ दिखाई दिया। रॉड लेवर एरिना में खेले जा रहे मुकाबले के दौरान सिनर को ऐंठन और मूवमेंट में परेशानी होती दिखी। हीट स्ट्रेस इंडेक्स के अधिकतम स्तर पर पहुंचते ही उनका मैच आठ मिनट के लिए रोक दिया गया, ताकि बंद छत के नीचे खेल दोबारा शुरू होने से पहले उन्हें ठंडा होने का समय मिल सके।

शिवम दुबे ने दूसरे टी20 में जीत का श्रेय इन दो बल्लेबाजों को दिया

नई दिल्ली। दूसरे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्ज की गई ऐतिहासिक जीत के बाद ऑलराउंडर शिवम दुबे ने टीम की सफलता का श्रेय दो बल्लेबाजों–ईशान किशन और कप्तान सूर्यकुमार यादव को दिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवम दुबे ने ईशान किशन की जमकर तारीफ करते हुए कहा– 'ईशान किशन सबसे बेहतरीन लेफ्ट हैंडर्स में से एक हैं जिन्हें मैंने देखा है। उन्हें 'स्मॉल पॉकेट ब्लास्ट' कहा जाता है। उनकी बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आज उन्होंने फिर साबित कर दिया। हमें ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की साझेदारी को देखकर बहुत मज़ा आया। दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म पर भी बड़ा बयान दिया– 'जब सूर्यकुमार यादव फॉर्म में होते हैं, तो पूरी दुनिया जानती है कि वह क्या कर सकते हैं। आज उन्होंने सबको याद दिला दिया कि वह नंबर-1 T20 बल्लेबाज क्यों हैं।'

ऑस्ट्रेलिया दौरा: भारतीय महिला टेस्ट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर कप्तान; कमलिनी बाहर, उमा छेत्री की एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टेस्ट टीम की घोषणा कर दी।

यह दौरा अगले महीने शुरू होगा, जिसमें भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। 15 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक चलने वाले इस दौरे में टीम इंडिया की कमान हरमनप्रीत कौर संभालेंगी, जबकि स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है।

बीसीसीआई के अनुसार, विकेटकीपर जी. कमलिनी चोट के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह उमा छेत्री को भारत की टी20 और वनडे टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा, विश्व कप विजेता अभियान का हिस्सा रहीं प्रतिका रावल, जो चोट से उबर चुकी हैं, को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है।

भारत की महिला टेस्ट टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 2026- (पूरा कार्यक्रम):

टी20 अंतरराष्ट्रीय

15 फरवरी: सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, सिडनी

19 फरवरी: मनुका ओवल, कैनबरा

21 फरवरी: एडिलेड ओवल, एडिलेड

वनडे अंतरराष्ट्रीय

24 फरवरी: एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिस्बेन

27 फरवरी: बेलरीव ओवल, होबार्ट

1 मार्च: बेलरीव ओवल, होबार्ट

टेस्ट मैच

6 से 9 मार्च: वाका ग्राउंड, पर्थ

यह दौरा भारतीय महिला टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जहां वह ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ सभी प्रारूपों में अपनी तैयारियों और संतुलन की कड़ी परीक्षा देगी।

अमेरिकी कोच नताली लद्दाख में फिगर स्केटिंग के जरिए स्थानीय खेल समुदाय को कर रहीं मजबूत

एजेंसी

लेह (लद्दाख)। अमेरिका की रहने वाली फिगर स्केटिंग कोच नताली फाल्सग्राफ किसी मायने में एक सच्ची लद्दाख प्रेमी हैं। साल 2018 में पहली बार जिज्ञासावश लेह-लद्दाख पहुंचीं नताली को यह पहाड़ी इलाका इतना भा गया कि तब से वह लगातार यहां आती रही हैं। आज वह अपनी फिगर स्केटिंग विशेषज्ञता के जरिए लद्दाख के बच्चों को निःस्वार्थ भाव से प्रशिक्षण देकर स्थानीय खेल समुदाय को मजबूत कर रही हैं। इन दिनों लेह में खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 (केआईडब्ल्यूजी) का पहला चरण खेला जा रहा है और इस बार खेलों के इतिहास में पहली बार फिगर स्केटिंग को शामिल किया गया है। इस फैसले ने न केवल इस खेल को नई पहचान दी है, बल्कि नताली फाल्सग्राफ को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

नताली ने साई मीडिया के हवाले से कहा 'मैंने अपनी जिंदगी का ज्यादातर समय फिगर स्केटिंग में बिताया है। जब मुझे भारत में, खासकर लद्दाख में प्राकृतिक बर्फ पर स्केटिंग और आइस हॉकी के बारे में पता चला तो मैं बेहद उत्साहित हो गई। मैं प्राकृतिक बर्फ पर स्केट करना चाहती थी और उस समुदाय को देखना चाहती थी, जो आइस स्पोर्ट्स के इर्द-गिर्द बना है। ' लेह पहुंचने के बाद नताली का जुड़ाव यहां की संस्कृति और लोगों से और गहरा होता गया। उन्होंने कहा, 'मैं यहां की स्केटिंग संस्कृति, लोगों के सहयोग और सीखने के जुनून से बेहद प्रभावित हुई। लद्दाख के छोटे-छोटे गांवों में सर्दियों के दौरान जमी हुई झीलों पर लोग स्केटिंग सीखते नजर आते हैं। यही जुनून मुझे बार-बार लद्दाख खींच लाता है। ' नताली वर्तमान में लद्दाख विमेंस आइस हॉकी फाउंडेशन से जुड़ी हुई हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: अमांडा अनिसिमोवा ने स्टर्न्स को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मेलबर्न । अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन पेयटन स्टर्न्स को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम-16 (प्री-क्वार्टरफाइनल) में प्रवेश कर लिया। तेज गर्मी और धूप के बीच खेले गए इस मुकाबले में अनिसिमोवा ने महज 71 मिनट में जीत दर्ज की। मेलबर्न पार्क में चल रही हीटवेव के बावजूद 24 वर्षीय खिलाड़ी ने बेहतरीन फिटनेस और आक्रामक खेल का नमूना पेश किया।

अब क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए अनिसिमोवा का सामना चेक गणराज्य की 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा या चीन की वांग शिन्यू से होगा। अनिसिमोवा के लिए 2025 का साल शानदार रहा था, जिसमें उन्होंने विंबलडन और यूएस ओपन के फाइनल तक का सफर तय किया। वह 2026 में एक कदम आगे बढ़ते हुए ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश में हैं। मैच के बाद ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में बर्फ की तौलिया ओढ़े अनिसिमोवा

ने कहा, 'आज बहुत ज्यादा गर्मी थी। लेकिन आपके सामने खेलकर मुझे काफी मजा आया, खासकर यहां मौजूद अमेरिकी समर्थकों के बीच। ' मार्गरेट कोर्ट एरीना में खेले गए मुकाबले के पहले सेट में अनिसिमोवा ने दुनिया की 68वें नंबर की खिलाड़ी स्टर्न्स को पूरी तरह दबाव में रखा। दूसरे सेट में हालांकि स्टर्न्स ने वापसी की कोशिश की और अनिसिमोवा की सर्विस पर कुछ हद तक दबाव बनाया। एक समय 5-1 से पिछड़ने के बाद स्टर्न्स ने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबले में हलचल पैदा की। हालांकि यह केवल जीत में देरी साबित हुई। इस दौरान अनिसिमोवा से सात डबल फॉल्ट भी हो गए। गौरतलब है कि अनिसिमोवा अब तक इस टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारी हैं। उन्होंने पहले दौर में स्विट्जरलैंड की सिमोना वाल्लरट को 6-3, 6-2 से हराया था, जबकि दूसरे दौर में कैटरीना सिनियाकोवा को 6-1, 6-4 से मात दी थी।

बीबीएल 15: मेलबर्न रिनेगेड्स ने विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जॉश ब्राउन के साथ किया दो साल का नया करार

एजेंसी

मेलबर्न। मेलबर्न रिनेगेड्स के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज जॉश ब्राउन ने क्लब के साथ अगले दो वर्षों के लिए अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है। ब्राउन अब कम से कम बिग बैश लीग 17 (बीबीएल 17) के अंत तक रिनेगेड्स के लिए खेलते नजर आएंगे। बीबीएल 14 में मेलबर्न रिनेगेड्स से जुड़ने वाले जॉश ब्राउन ने बीबीएल15 के दौरान शानदार प्रदर्शन किया, खासकर दोनों मेलबर्न डर्बी मुकाबलों में वह टीम के स्टार साबित हुए। इससे पहले उन्होंने बीबीएल 12 में ब्रिस्बेन हीट के साथ अपने बिग बैश करियर की दमदार शुरुआत की थी और 2024 के अंत में मेलबर्न का रुख किया था।

करार के बाद जॉश ब्राउन ने क्लब के हवाले से कहा, 'रिनेगेड्स के साथ समय शानदार रहा है। यहां मुझे घर जैसा महसूस होता है और मैं इस क्लब के साथ आगे क्या हासिल कर सकते हैं, इसे लेकर उत्साहित हूं। मुझे हमारी खेलने की शैली पसंद है और अगले कुछ साल यहीं रहने को लेकर काफी उत्साह है। '

बीबीएल 15 में ब्राउन ने दो अर्धशतक लगाए और लगातार तीसरे

सीजन 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट को बरकरार रखा। उन्होंने कुल 311 रन बनाए और रिनेगेड्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ पहले मेलबर्न डर्बी में नाबाद 84 रन रहा।

मेलबर्न रिनेगेड्स के जनरल मैनेजर रोसेनगार्टन ने कहा, 'जॉश हमें पारी की शुरुआत में जबरदस्त ताकत देते हैं। जब वह लय में होते हैं, तो बहुत कम खिलाड़ी हैं जो उनकी तरह तेजी से पारी को आगे बढ़ा सकते हैं। ' जॉश ब्राउन का यह नया करार ऐसे समय आया है, जब बीबीएल 15 अपने अंतिम चरण में है और कई क्लबों ने खिलाड़ियों के अनुबंध बढ़ाने की घोषणाएं की हैं।

भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया, सूर्या-ईशान ने खेली विस्फोटक पारी

एजेंसी

रायपुर। भारत ने रायपुर में खेले गए टी20 के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों टी20 श्रृखंला में 2.0 से बढ़त बना ली है। इस मैच में सूर्या और ईशान ने जिताऊ पारी खेली।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने कप्तान मिचेल सैंटनर की नाबाद 47 और रचिन रवींद्र की 44 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में भारत ने 15.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के लिए के ईशान किशन ने 76 और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 82* रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। ईशान किशन ने 21 गेंदों में अपने टी20 करियर का सातवां अर्धशतक पूरा किया। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में सूर्यकुमार यादव भी शामिल हो गए।

वह केएल राहुल और रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 23-23 गेंदों में न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक पूरा किया। इनके अलावा शिवम दुबे ने नाबाद 36 रन ठोके जबकि संजू सैमसन (06) रन और अभिषेक शर्मा (00) पर आउट हुए। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी, जेकब डफी और ईश सोढ़ी को क्रमशः एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवरों में 208/6 रन बनाए थे। सांतवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए कैप्टन मिचेल सैंटनर सर्वोच्च स्कोरर रहे. जिन्होंने 27 गेंद में सर्वाधिक 47 रनों की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा रचिन रविंद्र ने 44 रनों का योगदान दिया था। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके जबकि हार्दिक, हर्षित, वरुण और शिवम ने एक-एक विकेट लिया।

इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में सिंधु को रेड कार्ड, लक्ष्य सेन की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया। महिलाओं और पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन को सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को महिला सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई ने 42 मिनट चले मुकाबले में 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। इस हार के साथ सिंधु टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

मैच के दूसरे गेम के दौरान सिंधु को आचार संहिता के उल्लंघन पर पहले येलो कार्ड दिखाया गया। इसके कुछ ही अंकों बाद खेल में देरी के कारण अंपायर ने उन्हें रेड कार्ड भी दिखाया, जिसके चलते सिंधु को एक अंक का दंड झेलना पड़ा। इस मुकाबले के बाद चेन यू फेई के खिलाफ सिंधु का हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-8 हो गया है। सिंधु की फेई पर आखिरी जीत 2019 में दर्ज की गई थी।

पुरुष सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्या सेन को थाईलैंड के युवा खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल ने कड़े मुकाबले में 21-18, 22-20 से हराया। यह मैच 46 मिनट तक चला। 21 वर्षीय थाई खिलाड़ी ने इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के 2024 पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया को भी बाहर का रास्ता दिखाया था।

अंडर-19 विश्व कप: ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 58 पर समेटा, ग्रुप-ए में शीर्ष पर पहुंचा

एजेंसी

विंडहॉक। अंडर-19 पुरुष विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को सिर्फ 58 रन पर ढेर कर दिया और ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की इस बड़ी जीत के नायक विल बायरम रहे, जिन्होंने पांच विकेट झटककर श्रीलंका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बना दिया। विल बायरम और चार्ल्स लैचमंड ने पहले पावरप्ले में ही कहर बरपाते हुए 10 ओवर के भीतर श्रीलंका का स्कोर 31 रन पर 6 विकेट कर दिया। तीसरे ओवर में लैचमंड ने विरान चामुदिथा को शानदार यॉर्कर पर एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि दिमंथा महाविथाना स्लिप में कैच थमा बैठे। इसके बाद श्रीलंकाई बल्लेबाज लगातार विकेट गंवाते चले गए। दोनों

लंबे कद के तेज गेंदबाजों ने पिच से मिल रही उछाल और मूवमेंट का पूरा फायदा उठाया। श्रीलंका के ज्यादातर बल्लेबाज या तो स्लिप कॉर्डन में कैच आउट हुए या फिर क्रीज पर देर से खेलने के कारण एलबीडब्ल्यू का शिकार बने। पावरप्ले के बाद हेडन शिलर और केसी बार्टन ने गेंदबाजी संभाली और उसी सटीक लाइन-लेंथ के साथ दबाव बनाए रखा। केसी बार्टन के स्पेल का सबसे खास पल सेथमिका सेनेविरत्ना का विकेट रहा। बार्टन ने फुल लेंथ गेंद को ऑफ स्टंप की ओर अंदर लाकर सीधे गिल्लियां बिखेर दीं, जिससे श्रीलंका का आखिरी मान्यता प्राप्त बल्लेबाज भी पवेलियन लौट गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका के गेंदबाज रसिथ निमसारा ने पिच से कुछ मूवमेंट निकाला, लेकिन लाइन-लेंथ में निरंतरता की कमी साफ दिखी।

कुगाथस माथुलन के साथ मिलकर श्रीलंका ने 11 अतिरिक्त रन दिए, जिनमें 9 वाइड शामिल थीं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से विल मलाज्चुक जल्दी आउट हो गए, लेकिन नितेश सैमुअल ने संभलकर बल्लेबाजी की। इसके बाद स्टीवन होगन ने नाबाद 28 रन बनाते हुए टीम को आसानी से जीत दिला दी, इससे पहले कि बारिश मैदान की ओर बढ़ती।

मानुष शाह-दिया चितले की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब

एजेंसी

मस्कट। भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी मानुष शाह और दिया चितले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त चीन की हुआंग यौझेंग और शी शुन्याओ की जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया।

37 मिनट तक चले इस कड़े फाइनल में शाह-चितले की जोड़ी ने 11-5, 5-11, 11-5, 5-11, 13-11 से जीत दर्ज की। यह भारतीय जोड़ी का तीसरा डब्ल्यूटीटी खिताब है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज मानुष शाह और दिया चितले इससे पहले 2024 में बेरूत में डब्ल्यूटीटी फीडर और 2025 में ट्यूनिस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीत चुके हैं। साल 2025 में मानुष शाह और दिया चितले डब्ल्यूटीटी फाइनल्स में खेलने वाली पहली भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी भी बनी थी।

मस्कट में जीत का सफर

मस्कट में भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत राउंड ऑफ 16 में चीन की चेन युआनयू और हान फेइयर को 3-2 (11-9, 11-9, 6-11, 8-11, 11-8) से हराकर की। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने सिंगापुर की पांग कोएन और ज़ेंग जियान की जोड़ी को 3-1 (9-11, 11-8, 13-11, 11-6) से मात दी। सेमीफाइनल में शाह-चितले की जोड़ी को फ्रांस के क्वालिफायर थिबॉल्ट पोरे और शार्लोट लुट्ज़ के खिलाफ कड़ी चुनौती मिली, लेकिन भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 3-2 (10-12, 8-11, 11-8, 11-8, 11-8) से मुकाबला अपने नाम किया।

पुरुष डबल्स में मानुष शाह ने मानव ठक्कर के साथ सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त लिन शिदोंग और हुआंग की जोड़ी से 2-3 (11-8, 9-11, 11-6, 8-11, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला डबल्स सेमीफाइनल में यशस्विनी घोरपड़े और अयाहिका मुखर्जी की जोड़ी चीन की किन युशुआन और जोंग गेमन के खिलाफ 1-3 (11-8, 6-11, 4-11, 9-11) से पराजित हुई।

त्रिशूल कप क्रिकेट के फाइनल में पहुंचा धनुपुर क्लब

एजेंसी

प्रयागराज। धनुपुर क्लब ने रिशु स्पोर्ट्स को आठ रन से हराकर त्रिशूल कप क्रिकेट चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। देवराजी प्रेमचंद पब्लिक स्कूल धनुपुर हंडिया के मैदान पर शुरू हुई प्रतियोगिता में पहले सेमीफाइनल में धनुपुर क्लब ने छह ओवरों में सात विकेट पर 39 रन (शौर्य नारायण यादव 15, सुहैब अंसारी 14, माखन 2/04, शिवम भारती 1/11) बनाए। जवाब में रिशु स्पोर्ट्स की टीम छह ओवर में सात विकेट पर 31 रन (नीरज 10, चंदन 2/05, मोहम्मद साहिल व आसिफ अंसारी एक एक विकेट) ही बना सकी। इससे पूर्व पहले क्वार्टर फाइनल में रिशु स्पोर्ट्स ने कलावती क्रिकेट अकादमी को 10 विकेट से हराया। कलावती क्रिकेट अकादमी ने छह ओवरों में 10 रन बनाए। जवाब में रिशु भारत ने 1.4 ओवर में बिना विकेट खोए 11 रन बना लिए। दूसरे क्वार्टर फाइनल में धनुपुर क्रिकेट क्लब ने प्रयाग इलेवन को दो रन से हराया। धनुपुर टिकट क्लब में छह ओवर में चार विकेट पर 33 रन (शौर्य नारायण यादव 16 नाबाद, सुहैब अंसारी 11, अब्दुल जर्रार 2/11, जैनुल सरफराज 1/07) बनाए। जवाब में प्रयाग इलेवन की टीम छह ओवर में आठ विकेट पर 31 रन पर सिमट गई। राज विक्रम और मोहम्मद साहिल ने दो-दो विकेट लिए।

फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का 58वां संस्करण देशव्यापी उत्सव के साथ होगा आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित होने वाला फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का 58वां संस्करण रविवार, 25 जनवरी को पूरे देश में भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस बार यह आयोजन सिर्फ फिटनेस तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर #MYBharatMYVote अभियान के जरिए युवाओं में लोकतांत्रिक भागीदारी का संदेश भी देगा। यह पहल अब एक साप्ताहिक फिटनेस कार्यक्रम से आगे बढ़कर देशव्यापी जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। इस संस्करण का नेतृत्व केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया करेंगे, जो पुडुचेरी के करैकल में आम नागरिकों के साथ साइकिल चलाएंगे। यह कार्यक्रम फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण की अगुवाई करने के आह्वान से प्रेरित होकर, इस

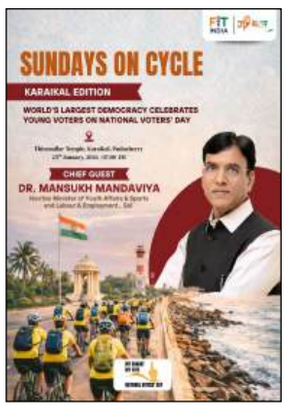

वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस को 'विकसित भारत के युवा मतदाताओं' के उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं पर भरोसा जताते हुए कहा था कि उनकी ऊर्जा से ही विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूती मिल रही है। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ा गया है।

दक्षिण भारत से लेकर देश की पश्चिमी सीमा तक यह आयोजन फैला होगा। अमृतसर के अटारी बॉर्डर पर भी विशेष साइकिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, युवा मतदाता और खेल जगत की हस्तियां एक साथ हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर राज्य मंत्री (युवा मामले एवं खेल) निखिल खडसे, ओलंपियन बॉक्सर निखत जरीन, क्रिकेटर सिद्धार्थ कौल और अभिनेता रागिनी द्विवेदी एवं विवेक दहिया प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे। इन हस्तियों की भागीदारी से #MYBharatMYVote अभियान को नई मजबूती मिलेगी और युवाओं को फिटनेस के साथ-साथ मतदान के महत्व को समझने की प्रेरणा मिलेगी। सोशल मीडिया पर भी फिट इंडिया एंबेसडर लगातार संदेश, वीडियो और पोस्ट के जरिए लोगों से इस अभियान में जुड़ने की अपील कर रहे हैं। डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, 'एक मजबूत लोकतंत्र के लिए स्वस्थ और जागरूक नागरिक जरूरी हैं। फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल को राष्ट्रीय मतदाता दिवस और #MYBharatMYVote से जोड़कर हम युवाओं को फिटनेस अपनाने के साथ-साथ देश के भविष्य को आकार देने की जिम्मेदारी का एहसास करा रहे हैं। ' इस संस्करण की एक और खास बात यह है कि आईआईटी रुड़की में पहली बार फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का आयोजन किया जाएगा।

वर्ष 1847 में स्थापित देश के सबसे पुराने इंजीनियरिंग संस्थान में यह पहल युवाओं को फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करेगी। गौरतलब है कि दिसंबर 2024 में शुरू हुई यह पहल अबतक 25 लाख से अधिक नागरिकों को जोड़ चुकी है और देशभर में दो लाख से ज्यादा स्थानों पर आयोजित हो चुकी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वैश्विक धमक, IMF ने जताया भरोसा; 2026 में 6.3फीसदी की रफ्तार से दौड़ेगी जीडीपी

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर अटूट भरोसा जताया है। आईएमएफ के नए पूर्वानुमानों के अनुसार, वैश्विक उथल-पुथल और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत वर्ष 2026 में 6.3 प्रतिशत की विकास दर हासिल करेगा। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि और बेहतर होकर 6.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। घरेलू मांग में निरंतर बढ़ोतरी, बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश और डिजिटल सुधारों ने भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से खड़ा कर दिया है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक वृद्धि की गति स्थिर रहने की उम्मीद है, जहां 2026 में विश्व की विकास दर 3.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आम जनता के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर यह है कि आने वाले समय में वैश्विक महंगाई दर में बड़ी गिरावट आ सकती है। हालांकि, आईएमएफ ने आगाह किया है कि अमेरिका में महंगाई लक्ष्य तक पहुँचने की गति थोड़ी धीमी रह सकती है। तकनीकी निवेश में तेजी और सहायक मौद्रिक नीतियों ने वैश्विक व्यापारिक चुनौतियों को काफी हद तक संतुलित कर दिया है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में स्थिरता आने की संभावना प्रबल हुई है।

अजिस्ता स्पेस गुजरात में इलेक्ट्रो ऑप्टिकल पेलोड बनाने के लिए 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनी अजिस्ता स्पेस गुजरात के सानंद में अंतरिक्ष श्रेणी के इलेक्ट्रो ऑप्टिकल पेलोड निर्माण संयंत्र की स्थापना में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के अनुसार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल पेलोड निर्माण सुविधा को भारत की अंतरिक्ष और रक्षा आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अजिस्ता स्पेस ने कल गुजरात स्पेस पार्क, सानंद में संयंत्र के लिए भूमि पूजन और आधारशिला रखने का समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया। यह 500 करोड़ रुपये का निवेश सैन्य स्तर के इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल पेलोड में संप्रभु क्षमता निर्माण की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। श्रीनिवास रेड्डी, प्रबंध निदेशक कहा कि यह सुविधा राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरिक्ष मिशन और उन्नत निगरानी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, साथ ही भारत को इस विशिष्ट क्षेत्र में वैश्विक नेताओं में शामिल करेगी। आगामी इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल पेलोड फैक्ट्री से उन्नत इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम के स्वदेशी निर्माण में उल्लेखनीय वृद्धि होने, आयात पर निर्भरता कम होने, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों को समर्थन मिलने और उच्च कुशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

चावल; गेहूं, चीनी नरम; खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। वहीं, गेहूं और चीनी में भी गिरावट देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 18 रुपये बढ़कर 3,869 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 11 रुपये टूटकर 2,848 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे में भी 15 रुपये की नरमी रही। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 32 रुपये और तुअर दाल की 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल और मूंग दाल 12-12 रुपये महंगी हुई। वहीं मसूर दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 23 रिंगिट गिरकर 4,174 रिंगिट प्रति टन पर रहा। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा 0.91 प्रतिशत चढ़कर 54.27 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 217 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मूंगफली तेल में 115 रुपये और वनस्पति में 33 रुपये की तेजी रही। सूरजमुखी तेल 28 रुपये और पाम ऑयल 18 रुपये महंगा हुआ।। सोया तेल नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। वहीं, चीनी आठ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

टाटा मोटर्स ने पेश किया एक्सप्रेस का पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट

मुंबई। देश की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने एक्सप्रेस को पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट में बाजार में उतारा। इस पोर्टफोलियो का यह रणनीतिक विस्तार है जो अब तक एक्सप्रेस ईवी तक सीमित था। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस कदम का उद्देश्य बड़े बाजार तक पहुंचना और पेशेवर फ्लीट ऑपरेटरों की विविध जरूरतों को पूरा करना है। एक्सप्रेस पेट्रोल और सीएनजी की बुकिंग शुरू हो चुकी है। दिल्ली पेट्रोल वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 5.59 लाख रुपये और सीएनजी वेरिएंट की 6.59 लाख रुपये रखी गयी है। एक्सप्रेस पेट्रोल वेरिएंट में 1.2 लीटर रेवोट्रॉन इंजन और मैनुअल ट्रांसमिशन है। एक्सप्रेस सीएनजी में सेगमेंट में पहली बार 70 लीटर (वॉटर कैपेसिटी) का ट्विन-सिलेंडर सीएनजी टैंक दिया गया है, जो इस श्रेणी में सबसे अधिक क्षमता प्रदान करता है। इससे बार-बार रिफ्यूलिंग की चिंता कम होती है और लंबी दूरी की यात्रा आसान बनती है। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने एक्सप्रेस के विस्तार पर कहा, 'टाटा एक्सप्रेस को फ्लीट को ग्राहकों की वास्तविक परिचालन चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इंडिगो ने डीजीसीए की सख्ती के बाद घरेलू हवाई अड्डों पर खाली किए 717 स्लॉट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने घरेलू एयरपोर्ट पर 717 स्लॉट खाली कर दिए हैं। एयरलाइन ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के इंडिगो की शीतकालीन उड़ानों में 10 फीसदी कटौती के जारी निर्देश के बाद यह कदम उठाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंडिगो ने कुल 717 स्लॉट छोड़े हैं। कंपनी ने यह कदम विमानन नियामक की सख्ती के बाद उठाया है। डीजीसीए ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द और विलंब के बाद एयरलाइन की उड़ानों में 10 फीसदी कटौती की गई थी। इंडिगो की खाली किए गए स्लॉट जनवरी से मार्च के बीच हैं, जिनमें सबसे अधिक प्रमुख महानगरों के हैं। इंडिगो एयरलाइन ने देश के कुल 16 एयरपोर्ट्स पर अपने स्लॉट्स छोड़े हैं। इसमें सबसे ज्यादा 236 स्लॉट्स मुंबई एयरपोर्ट पर कम हुए हैं। इसके बाद दिल्ली का नंबर आता है, जहां 150 स्लॉट्स सरेंडर

किए गए हैं। बेंगलुरु में 84, हैदराबाद में 68 और पुणे में 48 स्लॉट्स छोड़े गए हैं। एयरलाइन ने इनमें से 364 स्लॉट देश के छह प्रमुख महानगरों, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू और हैदराबाद के लिए छोड़े हैं। इनमें सबसे अधिक स्लॉट हैदराबाद और बंगलूरू से खाली किए गए हैं। छोड़े गए स्लॉट जनवरी से मार्च के बीच फैले हुए हैं, जिनमें मार्च में सबसे अधिक 361 स्लॉट शामिल हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अन्य एयरलाइनों से इन खाली स्लॉट पर उड़ान संचालन के लिए आवेदन मांगे हैं। मंत्रालय के अनुसार इंडिगो ने यह स्लॉट उस समय छोड़े जब दिसंबर की शुरुआत में उसकी घरेलू उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती की गई थी।

मंत्रालय के मुताबिक स्लॉट के पुनर्वितरण को लेकर गठित समिति की पहली बैठक 13 जनवरी को हुई थी। इसके बाद एयरलाइनों से उनकी प्राथमिकताओं और अनुरोधों को भेजने को कहा गया है। शर्तों के तहत, एयरलाइनों को अपने मौजूदा रूट बंद किए बिना ही खाली स्लॉट का उपयोग करना होगा। इंडिगो आम तौर पर रोजाना 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है लेकिन डीजीसीए के निर्देश के बाद उसकी घरेलू उड़ानों की संख्या अब घटकर लगभग 1,930 प्रतिदिन रह गई है। इससे पहले शीतकालीन कार्यक्रम में इंडिगो को प्रति सप्ताह 15,014 उड़ानों की अनुमति थी, जो औसतन 2,144 उड़ानें प्रतिदिन होती थीं।

अल्ट्राटेक सीमेंट का मुनाफा 27 प्रतिशत बढ़कर 1,729 करोड़ पर

एजेंसी

मुंबई। आदित्य बिरला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट का समेकित शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 26.84 प्रतिशत बढ़कर 1,729.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने शनिवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की। तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 21,829.68 करोड़ रुपये दर्ज किया गया जो सालाना आधार पर 22.78 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध बिक्री 21,506 रुपये की रही जो सालाना 23 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में स्थापित क्षमता की तुलना में उसका उत्पादन 77 प्रतिशत रहा। एक साल पहले यह आंकड़ा 72 प्रतिशत था।

गणतंत्र दिवस परेड में विद्युत मंत्रालय 'प्रकाश गंगा' झांकी का करेगा प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। विद्युत मंत्रालय 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में अपनी शानदार झांकी 'प्रकाश गंगा का प्रदर्शन करेगा। यह झांकी आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए विद्युत क्षेत्र में भारत की बदलावकारी यात्रा और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा को लोगों के सामने रखेगी। विद्युत मंत्रालय के मुताबिक यह झांकी बिजली की सार्वभौमिक पहुंच हासिल करने से लेकर वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा नेता के रूप में उभरने तक भारत के विकास को उजागर करती है। प्रकाश गंगा का अर्थ है 'प्रकाश की नदी ', जो राष्ट्रीय ग्रिड में एक दूसरे से जुड़े बिजली के सहज और निरंतर प्रवाह का प्रतीक है। मंत्रालय के मुताबिक झांकी की खासियत एक रोबोटिक स्मार्ट मीटर मॉडल है, जिसके साथ विंड टर्बाइन जनरेटर भी हैं, जो कुशल ऊर्जा प्रबंधन के लिए डिजिटल तकनीक, ऑटोमेशन और स्मार्ट सॉल्यूशंस के एकीकरण को दिखाता है।

झांकी के बीच का हिस्सा रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के साथ स्मार्ट पावर, स्मार्टर होम विचारधारा को दिखाता है, जो नागरिकों को बिजली के 'प्रोज़्यूमर्स' यानी बिजली बनाने वाले और इस्तेमाल करने वाले दोनों के रूप में सशक्त बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को उजागर करता है। एक ऊंची ट्रांसमिशन संरचना अंतिम मील तक के संपर्क को दिखाती है, जबकि एक ईवी चार्जिंग स्टेशन और इलेक्ट्रिक स्कूटर स्वच्छ गतिशीलता और एक सतत् परिवहन व्यवस्था को सक्षम करने में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका को दर्शाते हैं। झांकी का पीछे का हिस्सा हाइड्रोइलेक्ट्रिक, पवन और जियोथर्मल पावर इंस्टॉलेशन के ज़रिए भारत की अक्षय ऊर्जा की ताकत को दिखाता है, जो देश के बढ़ते स्वच्छ ऊर्जा के फुटप्रिंट का प्रतीक है। स्विचिंग ऑन इंडिया के साथ बनी संरचना, उन्नत नियंत्रण और निगरानी केंद्रों को दर्शाता है, जो ग्रिड की स्थिरता और बिना रुकावट बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं।

मुड़े हुए बिजली के तारों जैसे दिखने वाली संरचना पर बनी यह झांकी, भारत के राष्ट्रीय पावर ग्रिड के पैमाने और मज़बूती को दिखाती है, जो लाखों घरों और उद्योगों को जोड़ता है। इस गणतंत्र दिवस पर इस खास पेशकश के ज़रिए, विद्युत मंत्रालय भरोसेमंद, सस्ती और टिकाऊ बिजली देने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करने और विकसित भारत के दृष्टिकोण को ऊर्जा देने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराएगा।

बजट 2026 में यूपी, बिहार और बंगाल के लिए खुलेगा केंद्र का खजाना; बाढ़ राहत पैकेज, डिफेंस कॉरिडोर और इंफ्रास्ट्रक्चर पर होगी धनवर्षा

एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी 2026 को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट में बिहार को 'बंपर' आवंटन मिलने की प्रबल संभावना है। एनडीए गठबंधन में बिहार की क्षेत्रीय पार्टियों की महत्वपूर्ण भूमिका और राज्य में विकास की गति को देखते हुए केंद्र सरकार कोसी और गंडक जैसी नदियों की बाढ़ से निपटने के लिए एक स्थायी जल प्रबंधन पैकेज की घोषणा कर सकती है। इसके अलावा, पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे और रक्सौल-हल्दिया कॉरिडोर जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए भारी धनराशि मिलने की उम्मीद है, जो बिहार की आर्थिक तस्वीर बदल सकते हैं। उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को साधने के लिए केंद्र सरकार यूपी डिफेंस कॉरिडोर के अगले चरण हेतु विशेष फंड जारी कर सकती है। बजट 2026 में नोएडा और जेवर एयरपोर्ट के आसपास लॉजिस्टिक हब और नए औद्योगिक गलियारों के निर्माण पर फोकस रहने की उम्मीद है। धार्मिक पर्यटन की सफलता के बाद, अयोध्या, काशी और मथुरा के विकास को रोजगार से जोड़ने के लिए नए टूरिज्म सर्किट और कृषि

क्षेत्र के लिए 'एग्री-लॉजिस्टिक हब' की सौगात मिल सकती है, जो प्रदेश की विशाल आबादी के लिए नए अवसर पैदा करेगी।

राजनीतिक टकराव के बावजूद, केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को भारत के 'ईस्टर्न गेटवे' के रूप में विकसित करने के लिए पोर्ट कनेक्टिविटी और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर बड़ा निवेश कर सकती है। लघु उद्योगों (खस्स्ध) के बड़े नेटवर्क को सहारा देने के लिए बंगाल के कारीगरों हेतु विशेष क्रेडिट स्कीम और कोलकाता मेट्रो के विस्तार के लिए विशेष बजट आवंटित होने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि जहां यूपी और बिहार को विकास परियोजनाओं और राजनीतिक कारणों से बड़ा हिस्सा मिलेगा, वहीं बंगाल को रेलवे और बुनियादी ढांचे के जरिए राहत दी जाएगी।

गल्फूड 2026 में भारत 161 प्रदर्शकों के साथ विविध एग्री-फूड इकोसिस्टम का करेगा प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत गल्फूड 2026 में 161 प्रदर्शकों के माध्यम से अपने विविध कृषि-खाद्य इकोसिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जो 26 जनवरी से दुबई में होने वाला है। भारत पहली बार गल्फूड 2026 में भागीदार देश बना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) दुबई में 26 जनवरी से आयोजित होने वाले गल्फूड 2026 में अपनी सुदृढ़, विस्तारित और प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा रहा है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य व्यापार में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है।

मंत्रालय के मुताबिक भारत गल्फूड 2026 में हिस्सेदार देश है, जो एक विश्वसनीय स्रोत गंतव्य और वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक प्रमुख योगदानकर्ता के तौर पर इसके रणनीतिक महत्त्व को रेखांकित करता है। इस फूड शो में भारत की भागीदारी ग्लोबल एग्री-फूड

ट्रेड में देश की बढ़ती स्थिति को और मजबूत करेगी। एपीडा का भारती पवेलियन आठ उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप को प्रदर्शित करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारत पहली बार इस इवेंट में पार्टनर बन रहा है, जो एक भरोसेमंद सोर्सिंग डेस्टिनेशन और ग्लोबल फूड सिक्योरिटी और मजबूत सप्लाई चेन में अहम योगदान देने वाले देश के तौर पर भारत की रणनीतिक अहमियत को दिखाता है। असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल सहित 25 भारतीय राज्यों के एग्जिबिटर्स इस प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे। भारत की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण भारती पवेलियन है, जो निर्यात के लिए तैयार कृषि-खाद्य और कृषि-तकनीक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की प्रमुख पहल है। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के स्टार्टअप जोन में स्थित भारती पवेलियन में आठ उच्च क्षमता वाले भारतीय स्टार्टअप प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका चयन 100 से अधिक आवेदकों में से राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। ये स्टार्टअप एपीडा के विदेश वाले खेत जैसे विजन के अनुरूप नवाचारी उत्पाद, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान और निर्यात-सक्षम प्रस्तुतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

रिजर्व बैंक बैंकिंग सिस्टम में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी डालेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा कि वह कई माध्यमों से बैंकिंग प्रणाली में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी डालेगा आधिकारिक बयान में

कहा गया, 'मौजूदा नकदी और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने का निर्णय लिया है।' इन उपायों में 30 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाने वाली 25 हजार करोड़ रुपये की राशि के लिए 90 दिवसीय वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी और चार फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर यानी 91,000 करोड़ रुपये की अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी शामिल है।रिजर्व बैंक के बयान के अनुसार केंद्रीय बैंक खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) मार्ग के तहत कुल एक लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीद भी करेगा। इसके तहत पांच फरवरी और 12 फरवरी को 50-50 हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रत्येक उपाय के लिए विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली । हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को चौतरफा बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स करीब 770 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी में 241 अंक की गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 769.66 अंक यानी 0.94 फीसदी की गिरावट के साथ 81,537.70 स्तर पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 241.25 अंक यानी 0.95 फीसदी की गिरावट के साथ 25,048.65 के स्तर पर बंद हुआ है। शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गयी और सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। बैंकिंग, रियलटी, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस, ऑटो, वित्त और मीडिया सेक्टरों पर दबाव अधिक रहा। सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में शामिल अडाणी पोर्ट्स का शेयर 7.5 फीसदी से ज्यादा टूटा। इटरनल में छह फीसदी से अधिक और इंडिगो में चार फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। एक्सिस

बैंक, बजाज फिनसर्व और पावर ग्रिड के शेयर दो से 3 फीसदी की बीच टूटे। इसके अलावा मारुति सुजुकी, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, ट्रेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज में एक से दो फीसदी के बीच गिरावट रही। टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर लगभग एक फीसदी ऊपर बंद हुआ। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और टीसीएस में भी तेजी रही।

एक दिन पहले बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 397.73 अंक यानी 0.49 फीसदी उछल कर 82,307.37 पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सेंचज (एनएसई) का निफ्टी भी 132.40 अंक यानी 0.53 फीसदी बढ़कर 25,289.90 के स्तर पर बंद हुआ था।

कस्टम ब्रोकर्स लाइसेंसिंग की लिखित परीक्षा 17 मार्च को होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। सीमा शुल्क ब्रोकर लाइसेंसिंग की परीक्षा 17 मार्च को होगी। लिखित और कंप्यूटर पर आधारित परीक्षा में बहु विकल्पीय प्रश्न होंगे। इसके प्रश्न दो भाषाओं अंग्रेजी और हिंदी में होंगे। परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों के पास अंग्रेजी या हिंदी में जवाब देने का विकल्प होगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार प्रश्नों की संख्या 150 होगी, जबकि समय अवधि ढाई घंटे (10:30 बजे से 13:00 बजे तक) होगी। प्रत्येक सही उत्तर के लिए +3 और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए -1 अंक दिए जायेंगे। अधिकतम अंक 450 और अर्हक अंक 270 (60 फीसदी) होने चाहिए। मंत्रालय के मुताबिक लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मौखिक परीक्षा में उपस्थित होना होगा। मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने

के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक 60 फीसदी होंगे। किसी भी प्रकार के प्रश्न के लिए वेबसाइट www.cbic.gov.in और देखने या निकटतम सीमा शुल्क आयुक्तालय/नासिन, पालसमुद्रम से ई-मेल- cblr-nacinpsm[at]gov[dot]in पर संपर्क किया जा सकता है।

रुपया 32 पैसे टूटा, नये निचले स्तर पर

एजेंसी

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 32.50 पैसे टूटकर 91.9050 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। रुपया बीच कारोबार में 92.0050 रुपये तक टूट गया था। यह पहली बार है कि भारतीय मुद्रा 92 रुपये प्रति डॉलर तक उतरी है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह सात पैसे

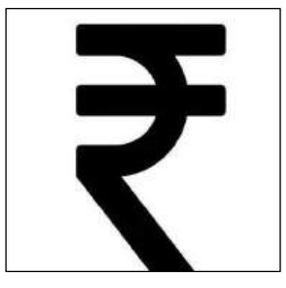

मजबूत होकर 91.58 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपया आज 13 पैसे की बढ़त में 91.45 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में ही 91.41 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। लेकिन इसके बाद यह दबाव में आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में रही तेजी से रुपये पर दबाव देखा गया। हालांकि दुनिया की दूसरी प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में नरमी से भारतीय मुद्रा की गिरावट सीमित रही।

पीएसजीआईसी, नाबार्ड और आरबीआई के लिए वेतन और पेंशन रिवीजन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के लंबे समय से रुके वेतन संशोधन को मंजूरी दे दी है। साथ ही सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड के रिटायर कर्मचारियों के पेंशन संशोधन को भी मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले से लगभग 46322 कर्मचारियों, 23570 पेंशनभोगियों और 23260 पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि पीएसजीआईसी के कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन 01 अगस्त, 2022 से लागू होगा। वेतन बिल में कुल 12.41 फीसदी की बढ़ोतरी होगी, जिसमें मौजूदा बेसिक पे और महंगाई भत्ते में 14 फीसदी की वृद्धि शामिल है। इस संशोधन से कुल 43,247 सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बदलाव में 01 अप्रैल 2010 के बाद नौकरी ज्?वाइन करने वाले कर्मचारियों के बेहतर भविष्य के लिए एनपीएस योगदान को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी करने का भी प्रावधान है। वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पारिवारिक पेंशन को 30 फीसदी की समान दर पर संशोधित किया है, जिससे कुल 15,582 मौजूदा फैमिली पेंशनर्स में से 14,615 फैमिली पेंशनर्स को फायदा होगा। इस पर कुल खर्च 8,170.30 करोड़ रुपये होगा, जिसमें (वेतन रिवीजन के बकाया के लिए 5,822.68 करोड़ रुपये, एपीएस के लिए 250.15 करोड़ रुपये और फैमिली पेंशन के लिए 2,097.47 करोड़ रुपये) शामिल है।

मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार की ओर से 1 नवंबर, 2022 से नाबार्ड के सभी ग्रुप 'ए', 'बी' और 'सी' कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इससे लगभग 3,800 सेवारत और पूर्व कर्मचारियों को फायदा होगा। पे रिवीजन से सालाना वेतन बिल में लगभग 170 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा और बकाया का कुल भुगतान लगभग 510 करोड़ रुपये होगा। पेंशन में बदलाव से एक बार में 50.82 करोड़ रुपये का एरियर पेमेंट होगा। साथ ही नाबार्ड के 269 पेंशनर्स और 457 फैमिली पेंशनर्स को हर महीने पेंशन पेमेंट में 3.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च होगा।

इसके अलावा सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन और फैमिली पेंशन में बदलाव को मंजूरी दे दी है। मंजूर किए गए बदलाव के तहत, 1 नवंबर, 2022 से बेसिक पेंशन प्लस महंगाई राहत पर पेंशन और फैमिली पेंशन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। इससे सभी रिटायर लोगों की बेसिक पेंशन में 1.43 गुना की बढ़ोतरी होगी, जिससे उनकी मासिक पेंशन में काफी सुधार होगा। इस रिवीजन से कुल 30,769 लाभार्थियों को फायदा होगा, जिसमें 22,580 पेंशनभोगी और 8,189 पारिवारिक पेंशनभोगी शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि कुल वित्तीय खर्च 2,696.82 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें बकाया के लिए 2,485.02 करोड़ रुपये का एक बार का खर्च और 211.80 करोड़ रुपये का सालाना खर्च शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला सरकार की सामाजिक सुरक्षा और पेंशन पाने वालों की वित्तीय भलाई के प्रति लगातार प्रतिबद्धता और जोर को दिखाता है, जो उनकी लंबी और समर्पित व्यावसायिक सेवा को देखते हुए लिया गया है। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) में नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईसीएल), न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईएसीएल), ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल), यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (यूआईआईसी), जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) और एग्रीकल्चरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एआईसीआईएल) शामिल हैं।

नेपाल-चीन वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक में काठमांडू-ल्हासा बस सेवा पुनः शुरू करने पर सहमति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच हुई वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक में काठमांडू-ल्हासा बस सेवा को पुनः संचालित करने पर सहमति बनी है। 22-23 जनवरी को चीन के ल्हासा में संपन्न तीसरी वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश, पारवहन, सीमा शुल्क सहजीकरण, तकनीकी सहयोग तथा व्यापार अवसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्रालय के सचिव डॉ. रामप्रसाद घिमिरे ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सिचांग (तिब्बत) जन सरकार के उपाध्यक्ष चाओ पेंग ने किया। नेपाल के वाणिज्य सचिव घिमिरे ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच 1981 के व्यापार तथा भुगतान समझौते के समसामयिक संशोधन, व्यापारियों, चालकों और सहचालकों के लिए सीमा प्रवेश पास को सरल बनाने, टोखा-छहरे सुरंग निर्माण प्रक्रिया को तेज करने, रासायनिक उर्वरक आयात के लिए कोटा निर्धारण, नेपाल के अल्पविकसित राष्ट्र से स्तरोन्नति के बाद भी चीन की शून्य-शुल्क नीति को जारी रखने तथा आपदा के समय चीनी पक्ष द्वारा वैकल्पिक मार्ग सुविधा देने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

जापान की संसद भंग, 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने डाइट के 465 सदस्यों वाले निचले सदन को भंग कर दिया। इसी के साथ जापान में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। तकाइची ने यह फैसला केवल तीन महीने के कार्यकाल के बाद लिया है। जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम उनकी लोकप्रियता का फायदा उठाने की एक कोशिश है ताकि सत्तारूढ़ पार्टी हाल के सालों में हुए बड़े नुकसान के बाद फिर से अपनी स्थिति मजबूत कर सके। लेकिन इससे उस बजट को संसदीय मंजूरी मिलने में देरी होगी जिसका मकसद संघर्ष कर रही अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और बढ़ती कीमतों को कम करना है। अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गईं ताकाइची सिर्फ तीन महीने से पद पर हैं। ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को अभी भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पार्टी भ्रष्टाचार से जुड़े कई मामलों और पार्टी के विवादास्पद यूनिफिकेशन चर्च के साथ पिछले संबंधों से जूझ रही है। यह साफ नहीं है कि नया विपक्षी सेंट्रिस्ट रिफॉर्म अलायंस मध्यम वर्ग के वोटरों को आकर्षित कर पाएगा या नहीं, जबकि विपक्षी पार्टियां अभी भी इतनी बिखरी हुई हैं कि वे एलडीपी के लिए कोई गंभीर खतरा पैदा नहीं कर सकतीं।

सिडनी हवाई अड्डे पर सामान में ड्रग्स मिलने के बाद तीन ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने थाईलैंड से 42 किलोग्राम अवैध ड्रग्स की तस्करी के प्रयास के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने एक संयुक्त बयान में कहा कि थाईलैंड से आ रही उड़ान से सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचते ही अधिकारियों ने तीन लोगों को रोक लिया। बाद में उनके सामान की तलाशी में कथित तौर पर अलग-अलग पैकेट में लिपटी हुई सफेद रंग की ईंटें मिलीं, जिनकी जांच में मेथम्फेटामाइन और हेरोइन की पुष्टि हुई। एएफपी अधिकारियों ने 34 किलोग्राम हेरोइन और आठ किलोग्राम मेथम्फेटामाइन जब्त की और दक्षिण-पूर्वी मेलबर्न के रहने वाले तीनों 22 वर्षीय लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन पर सीमा-नियंत्रित ड्रग्स की व्यावसायिक मात्रा में आयात करने और सीमा-नियंत्रित ड्रग्स की व्यावसायिक मात्रा रखने का एक-एक आरोप लगाया गया है। दोनों अपराधों के लिए अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गयी हेरोइन की अनुमानित बाजार कीमत लगभग एक करोड़ 70 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है और मेथम्फेटामाइन की कीमत 70 लाख 40 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है।

कनाडा को खा जायेगा चीन : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर 'गोल्डन डोम' बनाने का प्रस्ताव ठुकराने के लिये कनाडा की आलोचना करते हुए कहा है कि चीन उनके देश को 'खा सकता' है। श्री ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर साझा किये गये एक पोस्ट में कहा, 'कनाडा ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का विरोध कर रहा है, हालांकि यह कनाडा की रक्षा करेगा। इसके बजाय, उन्होंने चीन के साथ व्यापार करने का फैसला किया है जो उन्हें पहले ही साल में खा जायेगा।' श्री ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपने भाषण में कहा था कि 'नियम-आधारित व्यवस्था' लुप्त होती जा रही है। उन्होंने यहां चीन के साथ सात अरब डॉलर के एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये थे, जिसमें चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाना भी शामिल था। इस बीच, श्री ट्रंप ने दावोस में अपने भाषण के दौरान कहा था, 'कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है। यह याद रखना, मार्क, अगली बार जब तुम बयान दो।' उन्होंने यह भी कहा था कि कनाडा को अमेरिका से 'बहुत सारी मुफ्त चीज़ें' मिलती हैं और उन्हें अमेरिकी सुरक्षा सुरक्षा के लिये 'शुक्रगुजार होना चाहिए।

अवामी लीग ने यूनुस सरकार के जनमत संग्रह की आलोचना की, जनता को गुमराह करने का आरोप

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अवामी लीग ने मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर तथाकथित रेफरेंडम (जनमत संग्रह) कराने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संवैधानिक नियमों का बड़ा उल्लंघन है, बल्कि लोगों को गुमराह करने की एक सोची-समझी कोशिश है। अवामी लीग ने कहा कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनावों के साथ होने वाला रेफरेंडम यूनुस सरकार का रचा हुआ एक मजाक है और यह देश के संवैधानिक इतिहास पर एक काला ??धब्बा बना रहेगा। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि बिना किसी जनादेश वाली सरकार देश के लोगों को अंधेरे में रखते हुए देश का भविष्य तय करने की कोशिश कर रही है। अवामी लीग ने कहा, 'जुलाई 2024 में एक चुनी हुई सरकार को

हटाने के लिए पूरे देश में सुनियोजित दंगे करवाने के बाद से जिस तरह मुहम्मद यूनुस और उनकी सलाहकार परिषद सत्ता में बनी रही, वह बांग्लादेश के संवैधानिक इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय बन गया है। यह विदेशी फंडेड तख्तापलट, जिसे इस्लामी आतंकवादी समूहों और सेना के समर्थन से किया गया।' बांग्लादेश के संविधान के नियमों पर जोर देते हुए पार्टी ने कहा, 'संविधान का आर्टिकल 7 साफ तौर पर कहता है कि रिपब्लिक की सारी ताकतें लोगों की हैं। इसी बुनियादी सिद्धांत पर रेफरेंडम का संवैधानिक सिस्टम टिका है, जहां नागरिक सीधा अपनी मर्जी जाहिर करते हैं। फिर भी यूनुस सरकार की, तीस सुधार प्रस्तावों की बातें सीक्रेट रखते हुए रेफरेंडम का प्रस्ताव देने की हिम्मत सीधे संविधान की भावना से टकराती है।' अवामी लीग ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में लोगों को अंधेरे में रखकर जनता की राय लेना जनमत संग्रह नहीं, बल्कि एक दिखावा है। प्रस्तावित सुधारों की असलियत बताए बिना जनता की राय कैसे मांगी जा सकती है? अंतरिम सरकार के रेफरेंडम की आलोचना करते हुए पार्टी ने कहा, 'जब कोई वोटर बैलेट बॉक्स के सामने खड़ा होता है, तो क्या उससे यह उम्मीद की जाएगी कि वह बिना यह जाने कि वह किस पर वोट कर रहा है, हां या ना में वोट देगा? यह न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक है बल्कि यह लोगों की समझ और अधिकारों का बहुत बड़ा अपमान है।

प्रतिनिधि सभा सदस्य ने सिख विरोधी नफरत को रोकने वाले बिल का समर्थन किया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में सिख समुदाय के खिलाफ भेदभाव और नफरत से जुड़ी घटनाओं को रोकने के लिए एक नया कानून अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा (यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में दोनों पार्टियों का समर्थन हासिल कर रहा है। अमेरिकी संसद के निचले सदन में इस विधेयक को दोनों दलों का साथ मिल रहा है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद जो लोफग्रेन भी इसकी सह-प्रायोजक बन गई हैं। इस प्रस्तावित कानून का नाम 'सिख अमेरिकन एंटी-डिस्क्रिमिनेशन एक्ट 2025' है, जिसे एच.आर. 7100 भी कहा जाता है। न्यू जर्सी के कांग्रेसी जोश गॉटहाइमर ने इस महीने की शुरुआत में यह बिल पेश किया था। अब इसे कैलिफ़ोर्निया की डेमोक्रेट और अमेरिकन सिख कांग्रेसनल कॉकस की वाइस चेयर लोफग्रेन का समर्थन मिल गया है। जो लोफग्रेन ने कहा कि अमेरिका में किसी भी धर्म के लोगों को पूजा करने से डरना नहीं चाहिए। उन्होंने माना कि सिख अमेरिकियों के खिलाफ भेदभाव और नफरत की घटनाएं बढ़ी हैं, इसलिए न्याय विभाग को इस मुद्दे पर गंभीर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे सैन जोस में एक बड़े सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगी कि संघीय सरकार सिख विरोधी भेदभाव से लड़े।'

वहीं जोश गॉटहाइमर ने कहा कि यह कानून सिख परिवारों और समुदाय के नेताओं से सीधे बातचीत के बाद लाया गया है। उनके अनुसार, यह विधेयक सरकार को सिख समुदाय के खिलाफ होने वाले नफरत भरे अपराधों को पहचानने, दर्ज करने और रोकने में मजबूत बनाएगा, ताकि हर अमेरिकी बिना डर अपने धर्म का पालन कर सके।

गोलीबारी में चार लोगों की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

जेंसी

अटलांटा। अटलांटा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने जॉर्जिया में हुई गोलीबारी की घटना पर दुख व्यक्त किया है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी था। महावाणिज्य दूतावास ने उनके परिवार को पूरी मदद का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हम गोलीबारी की घटना से बहुत दुखी हैं, जो कथित तौर पर पारिवारिक विवाद से जुड़ी थी, जिसमें पीड़ितों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। आरोपी शूटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जा रही है।' अधिकारियों के अनुसार, पुलिस को सुबह लगभग 2:30 बजे ब्रूक आइवी कोर्ट के एक ब्लॉक में गोली चलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को घर के अंदर चार लोग घायल मिले थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। शुरुआती जांच में अधिकारियों ने उसे घरेलू झगड़े का

मामला माना है। पुलिस ने बताया कि जब गोलीबारी शुरू हुई तो घर के अंदर तीन छोटे बच्चे थे। बच्चों ने खुद को बचाने के लिए एक अलमारी में बंद कर लिया। इनमें से एक बच्चे ने गोलीबारी की सूचना दी। अधिकारी कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच गए। यह डर था कि शूटर अभी भी घर में हो सकता है, इसलिए पुलिस ने तलाशी के लिए के-9 यूनिट तैनात कीं। अधिकारियों के अनुसार, बाद में एक पुलिस कुत्ते ने संदिग्ध का पता पास के जंगल में लगाया, जहां उसे हिरासत में ले लिया गया। घटना के दौरान बच्चों को कोई चोट नहीं आई और बाद में उन्हें परिवार के एक सदस्य की देखभाल में सौंप दिया गया। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान अटलांटा के 51 वर्षीय विजय कुमार के रूप में की। वहीं, पीड़ितों की पहचान कुमार की पत्नी अटलांटा की 43 वर्षीय मीमू डोगरा, 33 वर्षीय गौरव कुमार, 37 वर्षीय निधि चंदर और 38 वर्षीय हरीश चंदर के रूप में की। ये सभी लॉरेंसविले के निवासी थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कथित तौर पर डोगरा और विजय कुमार के बीच अटलांटा में उनके घर पर बहस शुरू हुई। इसके बाद यह दंपति अपने 12 साल के बच्चे के साथ ब्रूक आइवी कोर्ट के घर गया, जहां बाद में गोलीबारी हुई।

अमेरिका में भारतीयों से जुड़े तीन इमिग्रेशन मामलों में अदालत ने सुनाए फैसले

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका की तीन संघीय अदालतों ने इस सप्ताह ऐसे फैसले दिए हैं जिनमें इमिग्रेशन अधिकारियों के कामकाज और गैर-नागरिकों की हिरासत पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन मामलों में भारतीय नागरिकों को आंशिक राहत मिली है या उनके मुकदमों को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई है। मिशिगन में एक फेडरल जज ने इमिग्रेशन अधिकारियों को आदेश दिया कि वे एक भारतीय शरणार्थी आवेदक को जमानत सुनवाई (बॉन्ड हियरिंग) दें या फिर उसे तुरंत रिहा करें। वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ मिशिगन की यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कहा कि हरजोत सिंह को जुलाई 2025 से आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) द्वारा हिरासत में रखा जाना गैरकानूनी है। हरजोत सिंह मई 2022 में अमेरिका पहुंचे थे और बाद में उन्होंने शरण के लिए आवेदन किया। हिरासत की जगह न होने के कारण उन्हें पहले पैरोल पर देश में रहने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद उन्हें वर्क ऑथराइजेशन और सोशल सिक्योरिटी नंबर भी मिला, लेकिन एक नियमित चेक-इन के दौरान आईसीई ने उन्हें गिरफ्तार कर

लिया। अदालत ने कहा कि सिंह पर अनिवार्य हिरासत के नियम लागू नहीं होते और उनकी हिरासत संविधान के पांचवें संशोधन के तहत मिलने वाले अधिकारों का उल्लंघन है। जज ने आदेश दिया कि आईसीई पांच कार्यदिवसों के भीतर बॉन्ड हियरिंग करे या उन्हें तुरंत रिहा करे। वाशिंगटन डीसी में एक अन्य फेडरल जज ने दिव्या वेणिगल्ला (जो एक भारतीय नागरिक हैं) की याचिका के एक हिस्से को आगे बढ़ने की अनुमति दी। वेणिगल्ला ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के खिलाफ मुकदमा किया था, जिसमें उन्होंने अपने इमिग्रेंट इन्वेस्टर ग्रीन कार्ड आवेदन की अपील के तरीके पर सवाल उठाया। उन्होंने समय पर अपील दाखिल की थी, लेकिन हस्ताक्षर वाला पेज न होने के कारण उसे खारिज कर दिया गया। बाद में उन्होंने पूरा दस्तावेज दोबारा जमा किया।

खैबर पख्तूनख्वा में शादी समारोह के दौरान आत्मघाती हमला, कम से कम छह लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में एक शादी समारोह के दौरान आत्मघाती हमला हुआ। इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में हुई, जिसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने शनिवार को दी। हमला अमन (शांति) समिति के प्रमुख नूर आलम महसूद के घर को निशाना बनाकर किया गया। उसी समय वहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। इस घटना में नूर आलम महसूद भी घायल हुए हैं। विस्फोट होते ही शादी स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। प्रमुख ब्रॉडकास्टर जियो न्यूज़ के अनुसार, धमाके में कई लोग घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि धमाके की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन शुरुआती जांच में यह आत्मघाती हमला ही माना जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, धमाके के बाद हमलावरों ने फायरिंग भी की। घटना के बाद जांच टीमें और फॉरेंसिक विशेषज्ञ कई घंटों तक मौके पर मौजूद रहे और सबूत इकट्ठा किए गए, ताकि हमलावर और उसके पीछे के नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पाकिस्तानी प्रमुख दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने बताया कि धमाके वाली जगह से आत्मघाती हमलावर का कटा हुआ सिर बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि हमलावर की उम्र करीब 17 साल थी। इस सिर को जांच और पहचान के लिए कब्जे में ले लिया गया है। केपी के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रांतीय पुलिस प्रमुख से तुरंत रिपोर्ट मांगी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए। मुख्यमंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान, जो अफगानिस्तान से सटे हुए हैं, हाल के दिनों में ऐसे हमलों से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं। यह पहली बार नहीं था जब दक्षिण वजीरिस्तान में महसूद शांति कमेटी के प्रमुख नूर आलम महसूद को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले 2022 में डेरा इस्माइल खान में उनके कार्यालय पर दो आत्मघाती हमलावरों ने हमला करने की कोशिश की थी।

मिनियापोलिस एयरपोर्ट पर आईसीई विरोधी प्रदर्शन में करीब 100 धर्मगुरुओं को गिरफ्तार किया गया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी इमिग्रेशन एनफोर्समेंट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 धर्मगुरुओं को गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी प्रदर्शन आयोजित करने वाले समूह फेथ इन मिनेसोटा ने दी। ग्रुप के अनुसार, एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 डिपार्चर एरिया में सड़क ब्लॉक करने के बाद इन धार्मिक नेताओं को स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शनकारी एयरलाइनों से, खासकर डेल्टा एयरलाइंस और सिग्नेचर एविएशन से मांग कर रहे थे कि वे मिनेसोटा में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के साथ सहयोग बंद करें। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, 7 जनवरी को प्रवासन कार्रवाई के दौरान आईसीई के एजेंट जोनाथन रॉस की गोली से 37 वर्षीय अमेरिकी नागरिक और मां रेनी गुड की मौत हो गई थी, जिससे तनाव बढ़ गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि इस गोलीबारी के बाद मिनियापोलिस इलाके में रोजाना विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

आयोजकों ने बताया कि हवाई अड्डे पर धर्मगुरुओं ने मिलकर प्रार्थना की और उन लोगों की कहानियां साझा कीं जिन्हें आईसीई ने हिरासत में लिया है। फेथ इन मिनेसोटा ने बताया कि इसी हवाई अड्डे से अब तक करीब 2,000 लोगों को देश से बाहर भेजा गया है। वहीं यूनियन सदस्यों का कहना है कि आईसीई ने हवाई अड्डे के 12 कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया है।

यह प्रदर्शन हुए एक बड़े आंदोलन का हिस्सा था, जिसे 'आईसीई आउट ऑफ मिनेसोटा: ए डे ऑफ ट्रुथ एंड फ्रीडम' नाम दिया गया। इसके तहत राज्य भर में 700 से ज्यादा कारोबार बंद रहे। आयोजकों ने लोगों से काम पर न जाने, खरीदारी न करने और स्कूल न भेजने की अपील की।

ट्रंप एक नया संयुक्त राष्ट्र बनाकर उस पर अकेले नियंत्रण चाहते हैं : ब्राजील के राष्ट्रपति लूला

एजेंसी

ब्रासीलिया । ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक नया संयुक्त राष्ट्र बनाना चाहते हैं और उस पर अकेले अपना नियंत्रण रखना चाहते हैं। लूला ने शुक्रवार को ब्राज़ील के बाहिया प्रांत में भूमिहीन ग्रामीण मजदूर आंदोलन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि ट्रंप ऐसा संयुक्त राष्ट्र बनाना चाहते हैं, जिसका मालिक सिर्फ वही हों। यह जानकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के माध्यम से सामने आई। लूला ने कहा कि दुनिया इस समय बहुत नाजुक राजनीतिक दौर से गुजर रही है, जिसमें बहुपक्षवाद को छोड़कर एकतरफावाद को अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ताकतवर की चल रही है और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर को कमजोर किया जा रहा है। ब्राजील के राष्ट्रपति ने

बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में उन्होंने कई देशों के नेताओं से बातचीत तेज की है। इनमें रूस, चीन, भारत, हंगरी और मैक्सिको जैसे देश शामिल हैं। उनका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को मजबूत करना है। लूला ने कहा कि वे एक ऐसी वैश्विक बैठक की संभावना तलाश रहे हैं, जिसमें सभी देश मिलकर बहुपक्षीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी देश की ताकत, हथियार या असहिष्णुता दुनिया पर हावी न हो। इससे पहले लूला ने ट्रंप पर सोशल मीडिया के जरिए दुनिया पर शासन करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल के एक नगर पालिका रियो ग्रांडे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में लूला ने कहा, 'क्या आपने देखा है कि ट्रंप ट्विटर के जरिए दुनिया पर राज करना चाहते हैं?' उन्होंने आगे कहा, 'वह हर दिन कुछ अलग कहते हैं। यह संभव नहीं है। और क्या आपको लगता है कि अगर हम लोगों की आंखों में आंखें डालकर बात न करें तो उनका सम्मान करना संभव है? उन्हें इंसान के बजाय वस्तु समझना?' लूला ने दक्षिणी ब्राजील में आवास योजना के तहत 1,276 घरों के हस्तांतरण समारोह में कहा कि समाज में मानवीय मूल्यों को फिर से मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने की भी अपील की और प्राथमिक व माध्यमिक कक्षाओं में मोबाइल पर रोक लगाने की अपनी नीति का समर्थन किया।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन में दुर्व्यवहार की आलोचना की

एजेंसी

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने एक बयान में अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन में बार-बार दुर्व्यवहार की कड़ी आलोचना की है। मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने प्रवासियों और शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार और अपमान को लेकर कहा कि मानवीय गरिमा और उचित प्रक्रिया अधिकारों का सम्मान होना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए कई लोगों को समय पर कानूनी सलाह और अपनी हिरासत व निष्कासन के फैसलों का विरोध करने के प्रभावी साधन नहीं मिल पाते हैं। तुर्क ने अमेरिका से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उसकी प्रवासन नीतियां और प्रवर्तन कार्रवाई मानवीय गरिमा और उचित प्रक्रिया अधिकारों का सम्मान करे। उन्होंने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की भी मांग की। बयान के अनुसार, पिछले साल कम से कम 30 ऐसी मौतें हुई थीं, जबकि इस साल अब तक छह और मौतें हुई हैं।

इसी साल 7 जनवरी को मिनियापोलिस में एक संघीय प्रवर्तन अभियान के दौरान एक आईसीई एजेंट ने 37 वर्षीय अमेरिकी नागरिक को गोली मार दी। एक हफ्ते बाद उसी इलाके में एक और आईसीई एजेंट ने एक वेनेजुएला के अप्रवासी को गोली मार दी, जिसके कारण लोगों का आक्रोश देखने को मिला।

इसी बीच जानकारी आई कि अमेरिकी मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 पादरी सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

फेथ इन मिनेसोटा समूह के अनुसार, एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 परिसर क्षेत्र में सड़कों को अवरुद्ध करने के बाद स्थानीय पुलिस ने इन धार्मिक नेताओं को हिरासत में ले लिया। आयोजकों ने कहा कि प्रदर्शनकारी एयरलाइंस, विशेष रूप से डेल्टा एयर लाइन्स और सिग्नेचर एविएशन से, मिनेसोटा में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के अभियानों में सहयोग बंद करने का आह्वान कर रहे थे।

इजरायल की ईरान को विनाशकारी धमकी, ट्रंप के 'पीस बोर्ड' में पाकिस्तान की एंट्री पर भी अड़ाई टांग

एजेंसी

वाशिंगटन। इजरायली मंत्री ने ईरान को सात गुना शक्तिशाली हमले की धमकी दी है। उन्होंने गाजा शांति योजना के लिए डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में पाकिस्तान की भागीदारी का भी कड़ा विरोध किया। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इजरायल ने

ईरान और उसके समर्थकों को अब तक की सबसे कड़ी चेतावनी दी है। इजरायल के अर्थव्यवस्था मंत्री निर बरकात ने स्पष्ट किया है कि यदि ईरान ने दोबारा हमला करने की हिमाकत की तो इजरायल उसे सात गुना ज्यादा ताकत से जवाब देगा। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान एक विशेष साक्षात्कार में बरकात ने कहा कि हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने ईरान की सैन्य शक्ति के खोखलेपन को दुनिया के सामने उजागर कर दिया है।

अमेरिका में शीत तूफान का अलर्ट, हाई अलर्ट पर सरकार

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के कई हिस्सों में शीत तूफान तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह तूफान मिडवेस्ट, ईस्ट कोस्ट और दक्षिणी राज्यों के बड़े इलाकों को अपनी चपेट में लेने वाला है। मौसम विभाग और प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भारी बर्फबारी, बारिश और जमाने वाली ठंडी हवाएं लोगों के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। इस तूफान के कारण हवाई उड़ानों में रुकावट आ रही है और कई जगहों पर सड़कों पर सफर बेहद खतरनाक या लगभग असंभव हो सकता है। बर्फ और बारिश से बिजली की लाइनें टूटने और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का भी खतरा जताया गया है। व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार हालात की जानकारी दी जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति पूरे दिन अपडेट ले रहे हैं और सभी विभागों के साथ लगातार संपर्क में हैं। ट्रंप प्रशासन मिलकर हालात पर नजर रखे हुए है और जरूरत के अनुसार कदम उठा रहा है।' होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यह तूफान भारी बर्फ, खतरनाक बारिश और जानलेवा ठंडी हवाएं ला सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि मिडवेस्ट, ईस्ट कोस्ट और यहां तक कि दक्षिण के कुछ हिस्सों में भी बिजली गुल होने, सड़कें बंद होने और रोजमर्रा की जिंदगी पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। सरकार ने हालात से

निपटने के लिए फेडरल एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा है। नोएम ने बताया कि फेमा (एफईएमए) राज्यों के साथ मिलकर तूफान की निगरानी कर रही है और तैयारी में जुटी है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने बताया कि इंसिडेंट मैनेजमेंट टीमें पहले ही लुइसियाना, टेक्सास और वर्जीनिया भेजी जा चुकी हैं। इसके अलावा और टीमें भी तैयार हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर राज्यपालों के अनुरोध पर भेजा जाएगा। वहीं, 28 फेमा अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू टीमें भी तुरंत तैनाती के लिए तैयार हैं। संभावित लंबे समय तक बिजली गुल रहने और सड़कों के बंद होने को देखते हुए फेमा ने दक्षिण और पूर्वी इलाकों में आपातकालीन सामान पहले से पहुंचा दिया है। इनमें 70 लाख से ज्यादा भोजन पैकेट, 20 लाख लीटर से अधिक पानी, 6 लाख से ज्यादा कंबल और 300 से अधिक जनरेटर शामिल हैं। इसके अलावा, केंटकी, लुइसियाना और टेक्सास में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विशेष स्टेजिंग साइट्स बनाई गई हैं, ताकि जरूरत पड़ते ही मदद तेजी से लोगों तक पहुंच सके।

डीएचएस ने लोगों से अपील की है कि वे लंबे समय तक होने वाली परेशानियों के लिए तैयार रहें और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करें। अधिकारियों ने चेताया कि बिजली गुल होने से हीटिंग सिस्टम, संचार और परिवहन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। लोगों को राज्य और स्थानीय आपातकालीन अलर्ट के लिए साइन अप करने और फेमा ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी गई है, ताकि उन्हें रियल टाइम अपडेट मिलते रहें। डीएचएस ने कहा, 'कभी भी जनरेटर को घर के अंदर न चलाएं और गैस स्टोव, केरोसीन या प्रोपेन हीटर या ओवन से घर गर्म करने की कोशिश न करें। इससे कार्बन मोनोऑक्साइड का खतरा हो सकता है।' यात्रा को लेकर भी खास चेतावनी दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से कहा है कि बेवजह यात्रा से बचें और अगर स्थानीय प्रशासन सड़क पर न निकलने की सलाह दे, तो उसका पालन करें।

page 1 and 8 jan 25_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/24/2026 11:42 PM Page 2

ढींगरी मशरूम की खेती

भारत प्राचीन काल से ही कृशि प्रधान देष है। यहाँ की जलवायु लगभग सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त है। इन फसलों से प्राप्त अवषेश, जैसे भुसा, बाजरा, गन्ना, पुआल आदि पयाप्त मात्रा में बच जाते हैं, जिनका उपयोग पशुओं के चारे के रूप में होता है। इसके बावजूद जो अवषेश बच जाते हैं उनका प्रयोग खुम्ब उत्पादन में किया जा सकता है। ढ़ींगरी की खेती बहुत ही आसान और कम खर्चीली है। इसीलिए यह गरीब किसानों के लिए उचित आय का साधन भी है।

ढ़ींगरी का आहार:

ढ़ींगरी का संतुलित आहार के रूप में बड़ा महश्त्व है। इसमें 17 से 38: प्रोटीन होती है। ढ़ींगरी के प्रोटीन में वे सभी अमिनो एसिड पाए जाते हैं जो मनुश्य के षरीरिक विकास के लिए अति आवष्यक हैं। लवण कैलाषियम फसफेरस, पोटाषियम, आयरन तथा ताँबा भी उचित मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त ढ़ींगरी में विटामिल 'बी' काम्पलैक्स तथा विटामिन 'सी' 80 से 14 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम में पाए जाते हैं। ढ़ींगरी का सेवन मधुमेह हृदय रोग व मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए उपयुक्त भोजन है। भारत में ढ़ींगरी की अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। जिसमं कुछ ग्रीश्मकालीन और षरदकालीन हैं। इन प्रजातियों की तापमान आवष्यकता निम्नलिखित रूप से दर्षाई गई है।

शरद कालीन प्रजापतियाँ कवकजाल फैलाव के लिए फ्लन के लिए

1.प्लूरोंटस औसट्रिटस25-30 20-22

2. प्लूरोंटस फ्लोरिडा 25-30 18-22

रसायनिक उपचार:

1. किसी ड्रम में 90 लीटर पानी लेकर 10 किलोग्राम भूसा डुबो लें।

2. इसके साथ ही एक बाल्टी में 125 मि लीटर फार्मलीन और 7.5 ग्राम वैविस्टीन को 10 लीटर पानी में मिला कर घोल बना लें।

3.बाल्टी में बनाए गए रसायनिक घोल को भूसे वाले ड्रम में उड़ेल दें तथा प्लास्टिक षीट से ढक दें।

4. 24 घंटे में बाद ड्रम को साफव पक्के फर्ष पर पलट दें ताकि भूसे से अतिरिक्त पानी निकल जाए और फार्मलीन की महक खत्म हो जाए इस प्रक्रिया में 1-1'' घंटे का समय लग जाता है। 10 किलो ग्राम सूखा भूसा उपचार के बाद लगभग 40 किलोग्राम हो जाता है।

बीजाई करने की विधि:

बीजाई करने से पहले बीजाई स्थल को अच्छी तरफ से फार्मलिन घोल से उपचारिक करें तथा बीजाई करने वाला श्रमिक भी अपने हाथों को साफकरें। इसके बाद उपचारित किए गए भूसे से 25-30 ग्राम प्रति किलो भूसे की दर से बीज मिलाते हैं इसे पालीथीन लिफाफे (18X24'') में भरते हैं तथा इसके बाद इनका मुँह अच्छी तरह से बंद करते हैं। इन लिफाफों के निचले कोनों को थोड़ा सा काट लें ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। बीजित बैगों को उत्पादन कक्षा में रख दें। इस उत्पादन कक्ष में 24 घंटे पहले 2: फार्मलिन के घोल से छिड़काव किया जाता है। कमरे का तापमान बीजित की गई प्रजाति के अनुसार और नमी 80-85 प्रतिषत रखना चाहिए। बीजित बैगों में 10-15 पैंसिल की मोटाई के समान छेद कर दें ताकि पालीथीन के बैग के अन्दर ज्यादा गर्मी न हो जाए और साथ में ढ़ींगरी के बीज को फैलने के लिए आवष्यक आक्सीजन भी मिलती रहे। 15 से 20 दिन के पश्चात् जब ढ़ींगरी का सारे भूसे में अच्छी तरह फैल जाए तो पालीथीन के बैगों को काट कर या ऐसे ही निकाल लें और भूसे तथा ढ़ींगरी के बीज से बने ढेले को लकड़ी या बांस के बने फ्रेम के उपर 8 से 12 ईन्च की दूरी पर रख दें और इस बात का ध्यान रखें कि कमरे का तापमान प्रजाति के अनुसार और नमी 80-90 प्रतिषत तक बनी रहे। कमरे में उचित नमी बनाए रखने के लिए ढेलों के उपर तथा फर्ष पर स्प्रे पप्प की सहायता से हल्के पानी का छिड़काव प्रतिदिन करते रहें। पोलीथीन के लिफाफे या बैग का निकालने के पश्चात् प्रतिदिन पानी के छिड़काव के 2-3 घंटे तक प्रकाष को कमरे में आने दें तथा ताजी हवा के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ भी खोल दें। जिस कमरे में प्रकाष न पहुँच सके उसमें बिजली का बल्व या टयूव को दे घण्टे तक जलता रखे।

ढ़ींगरी का अंकुरण तथा देखभाल:

पोलीथीन लिफाफे निकालने से 5 से 7 दिन पश्चात् ढेले में से अंकुरण निकलना षुरू हो जाते हैं और 3-5 दिन के अन्दर तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब ढ़ींगरी का आकार 8-12 से.मी. हो जाए तो उसे उंगलियों की सहायता से हल्का सा मरोड़ दे कर तोड़े ले। ढ़ींगरी के निकलने का क्रम लगभग 40-50 दिन तक 8-10 दिन के अंतराल पर चलता रहता है।

ढ़ींगरी की उपज:

यदि कमरे में उचित तापमान और नमी बनाए रखी जाए तो 10 किलो ग्राम सूखे भूसे से 8-9 किलो ग्राम ढ़ींगरी प्राप्त होगी।

आमदनी:

आमदनी की दृश्टि से ढींगरी मुनाफा देती है क्योंकि इसमें कम समय और धन लगता है एक किलोग्राम ढींगरी पैदा करने के लिए 10-15 रूप्ये का खर्च आता है और बाज़ार में यह 30-50 रूप्ये प्रति किलो के भाव से बिकती है, इस प्रकार प्रति किलोग्राम में 15-30 रूप्ये की आमदनी होती है।

ढींगरी की भरपूर फसल लेने के उपाय:

1. रसायनिक विधि द्वारा माध्यम को उपचरित्र करें।

2. ढींगरी वाले कमरे को हमेषा स्वच्छ रखें तथा उसके बाहर भी गन्दगी को इक्ट्ठा न होने दें।

3. लिफाफे के निचले दोनों कोनों को 1'' काट दे ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल जाए।

4. तापमान और नमी को बनाए रखे।

5. ढींगरी को मुड़ने से पहले ही तोड़ लें।

6. जब फ्ल आना षुय होता है दीवारों और फर्श पर 0.5 प्रतिषत मैलाथियान का स्प्रे कर दे ताकि किसी प्रकार का कीट हानिकारक सिद्ध न हो।

7. रोगी या किसी भी बीमारी वाले ब्लाक को कमरे से बाहर निकाल कर जमीन मं गाढ़ दें ताकि बीमारी न फैले।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों का महत्व

भारतवर्ष में औषधीय एवं सुगंध पौधों का इतिहास काफी पुराना रहा है, क्योंकि चिकित्सा एवं सुगंध हेतु इन पौधों का उपयोग होता रहा है। इनके व्यापक एवं व्यावसायिक कृषिकरण की तरफ जन सामान्य में जितनी रुचि वर्तमान में जाग्रत हुई है, उतनी संभवतः पहले कभी नहीं हुई थी। वर्तमान में जहाँ कृषक परंपरागत फसलों को छोड़कर औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती की ओर आकर्षित होने लगे हैं, वहीं उच्च शिक्षा प्राप्त ऐसे युवक भी जो अभी तक खेती-किसानी के कार्य को केवल 'कम पढ़े-लिखे लोगों का व्यवसाय' मानते थे, औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती अपनाकर गौरवान्वित महसूस करने लगे हैं। औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती कर किसान आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकते हैं क्योंकि भारत में औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती करने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

• औषधीय पौधों का उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में किया जाता है।

• विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 80 प्रतिशत जनसंख्या परंपरागत औषधियों से जुड़ी हुई है।

वर्तमान समय में औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती करने की संभावनाएँ अधिक हैं क्योंकि भारत की जलवायु में इन पौधों का उत्पादन आसानी से लिया जा सकता है। किसानों को औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती के बारे में संपूर्ण जानकारी का अभाव होता है, जिसके चलते किसान परंपरागत खेती करने को मजबूर हैं। परंपरागत खेती की अपेक्षा औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ है, क्योंकि इन फसलों को परंपरागत फसलों की अपेक्षा कम खाद-पानी और कम देखरेख की आवश्यकता पड़ती है।

• औषधीय एवं सुगंध फसलों में कीटों व बीमारियों का प्रकोप अन्य फसलों की अपेक्षा कम होता है।

• औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती उपजाऊ मृदाओं के अलावा बंजर भूमि में भी की जा सकती है।

• चूँकि इनकी खेती के लिए अधिक संसाधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती है, इसलिए खेती में लगने वाली लागत कम हो जाती है और मुनाफा ज़्यादा होता है।

• सुगंध पौधों से प्राप्त होने वाले इसेंशियल ऑइल की देशी बाज़ार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी माँग बढ़ रही है। वहीं भारतीय औषधीय पौधों की भी विश्व बाज़ार में बहुत माँग है।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर देश में सबसे प्रभावी शोध भारत सरकार की वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अंतर्गत केन्द्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ और इससे सबंधित अनुसंधान केन्द्र सीएसआईआर-सीमैप, अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर; सीएसआईआर-सीमैप, अनुसंधान केन्द्र, पुरारा; सीएसआईआर-सीमैप, अनुसंधान केन्द्र, बैंगलोर; और सीएसआईआर-सीमैप, अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद के अनुसंधान और विकास के द्वारा एवं घरेलू और ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत जारी प्रयासों के कारण औषधीय एवं सुगंध फसलों की खेती पर ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।

औषधीय पौधों का महत्व

दुनिया भर में चिकित्सा प्रणाली मुख्य रूप से दो अलग-अलग धाराओं के माध्यम से काम करती हैः

(1) स्थानीय या आदिवासी धारा और

(2) कोडित और संगठित चिकित्सा प्रणाली [जैसे- आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और अम्ची (तिब्बती औषधि)]।

औषधीय पौधों को भोजन, औषधि, खुशबू, स्वाद, रंजक और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में अन्य मदों के रूप में उपयोग किया जाता है। औषधीय पौधों का महत्व उसमें पाए जाने वाले रसायन के कारण होता है। औषधीय पौधों का उपयोग मानसिक रोगों, मिर्गी, पागलपन तथा मन्द-बुद्धि के उपचार में किया जाता है। औषधीय पौधे कफ एवं वात का शमन करने, पीलिया, आँव, हैजा, फेफड़ा, अण्डकोष, तंत्रिका विकार, दीपन, पाचन, उन्माद, रक्त शोधक, ज्वर नाशक, स्मृति एवं बुद्धि का विकास करने, मधुमेह, मलेरिया एवं बलवर्धक, त्वचा रोगों एवं ज्वर आदि में लाभकारी हैं।

सुगंध पौधों का महत्व

सुगंध पौधों से प्राप्त होने वाले इसेंशियल ऑइल का उपयोग आधुनिक सुगंध एवं सौंदर्य प्रसाधन उद्योग में व्यापक रूप में हो रहा है। सुगंध पौधों का तेल मुख्यतः इत्र, साबुन, धुलाई का साबुन, घरेलू शोधित्र, तकनीकी उत्पादों तथा कीटनाशक के रूप में होता है। साथ ही सुगंध तेल का उपयोग चबाने वाले तंबाकू, मादक द्रवों, पेय पदार्थों, सिगरेट तथा अन्य विभिन्न खाद्य उत्पादों के बनाने में भी किया जाता है। सुगंध पौधे, जैसे कि पुदीना के तेल का उपयोग च्यूइंगम, दंतमंजन, कन्फेक्शनरी और भोजन पदार्थों में होता है। खस जैसी सुगंध फसल से सुगन्धित द्रव तथा सुगन्ध स्थिरक व फिक्सेटीव के रूप में प्रयोग होता है।

भारत में इन पौधों की खेती के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। आज इन पौधों को खेती के बड़े पैमाने पर वैकल्पिक औषधि एवं सुगंध के रूप में उपयोग किया जाता है। औषधीय एवं सुगंध पौधों के लिए वैश्विक/राष्ट्रीय बाज़ार की उपलब्धता का होना भी इन पौधों की खेती के लिए उत्तम है। भारत में इन पौधों की खेती के लिए कृषि-प्रौद्योगिकियों, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता का होना भी खेती करने के लिए कृषकों को आसान बनाता है। औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती से टिकाऊ आधार पर लाभप्रद रिटर्न प्राप्त किया जा सकता है।

भारत में उत्पादन होने वाला सुगंध पौधों का तेल फ्रांस, इटली, जर्मनी व संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात किया जाता है। आज देश के हज़ारों किसान औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती करके अधिक मुनाफा कमा सकते हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। आज देश के कई राज्यों में औषधीय एवं सुगंध फसलों की खेती के लिए किसान की रुचि बढ़ी है एवं किसान पारंपरिक खेती के साथ फल, सब्जी और पशुपालन के साथ ही औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की तरफ रुझान तेजी से कर रहे हैं, और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती निम्नलिखित लाभ प्रदान करती है

औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती की लागत को कम करने के लिए एवं मुनाफे को बढ़ाने के लिए बाय-प्रॉडक्ट्स को प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती से कार्य-बल का कुशल उपयोग किया जा सकता है। इन पौधों की खेती से निर्यात के माध्यम से विदेशी मुद्रा को अर्जित किया जा सकता है। एकीकृत कृषि प्रणालियों को अपनाकर पारंपरिक कृषि/बागवानी फसलों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक शुद्ध लाभ कमाया जा सकता है। अन्य पारंपरिक फसलों की तुलना में औषधीय एवं सुगंध फसलों में कीटों और रोगों का प्रकोप कम देखने को मिलता है। इन फसलों की खेती कम उपजाऊ और समस्याग्रस्त मृदाओं में भी की जा सकती है। ये फसलें और प्रौद्योगिकियाँ किसान-अनुकूल और पर्यावरण-अनुकूल हैं। औषधीय एवं सुगंध फसलों पर घरेलू जानवरों और पक्षियों द्वारा कम से कम नुकसान पहुँचता है। औषधीय एवं सुगंध पौधों से प्राप्त होने वाले उत्पादों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

औषधीय एवं सुगंध पौधों की व्यावसायिक खेती

सेन्ना, अश्वगंधा, तुलसी, कालमेघ, पिप्पली, आंवला, सफेद मूसली, घृतकुमारी, आर्टीमीसिया, स्टीविया, जावा घास या सिट्रोनेला, लेमन ग्रास, रोशा घास या पामारोजा, खस या वेटीवर, नींबू-सुगंधित गम, जेरेनियम, मेन्थॉल मिंट, पुदीना, जंगली गेंदा, रोजमेरी, पचौली और पत्थरचूर आदि आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध फसलें हैं जिनकी व्यावसायिक खेती भारत के आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, आसाम, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश आदि विभिन्न राज्यों में मुख्य रूप से की जा रही है।

भारत में कुछ महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों की व्यावसायिक खेती निम्न प्रकार से की जा सकती है-

अश्वगंधा

इसका वैज्ञानिक नाम 'विथानिया सोमानिफेरा' है। अश्वगंधा एक मध्यम लंबाई (40 सेमी. से 150 सेमी.) वाला बहुवर्षीय पौधा है। इसका फल बेरी मटर के समान दूध युक्त होता है, जो कि पकने पर लाल रंग का होता है। जड़ें 30-45 सेमी. लंबी तथा 2.5-3.5 सेमी. मोटी मूली की तरह होती हैं। भारत के राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश एवं हिमाचल प्रदेश आदि प्रदेशों में अश्वगंधा की व्यावसायिक खेती की जा रही है। इनमें से आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में अश्वगंधा की खेती बड़े स्तर पर की जा रही है। इसके पौधों के अच्छे विकास के लिए 20-35 डिग्री तापमान तथा 500-750 मिमी. वार्षिक वर्षा होना आवश्यक है। अश्वगंधा फसल की बुवाई अगस्त और सितंबर माह में की जाती है। 10-12 किग्रा. बीज प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त होता है। अश्वगंधा के बीजों को खेत में छिटकवाकर या पंक्तियों में पौध लगानी चाहिए। अच्छी पैदावार के लिए पौधे से पौधे की दूरी 5 सेमी. तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20 सेमी. रखी जानी चाहिए।

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय तथा सुगंधित पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ द्वारा विकसित किया गया है, जिनमें मुख्य प्रजातियाँ चेतक, प्रताप, पोषिता, रक्षिता और निमितली हैं। जड़ की अच्छी बढ़त के लिए 10 से 12 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए। अश्वगंधा की खेती सिंचित एवं असिंचित दोनों ही दशाओं में की जाती है। असिंचित अवस्था में जड़ों की बढ़वार अधिक होती है। अश्वगंधा की फसल अप्रैल-मई में 240-250 दिन के पश्चात खुदाई के योग्य हो जाती है। खेत में कुछ स्थानों से पौधों को उखाड़कर उनकी जड़ों को तोड़कर देखना चाहिए। यदि जड़ आसानी से टूट जाए और जड़ों में रेशे न हों तो समझ लेना चाहिए कि फसल खुदाई हेतु तैयार है। जड़ों के रेशेदार हो जाने पर जड़ की गुणवत्ता में कमी आ जाती है। संपूर्ण पौधे को उखाड़ा जाता है और जड़ों को शीर्ष से 1-2 सेमी. छोड़कर काटकर अलग कर लिया जाता है। व्यावसायिक खेती के तहत एक हेक्टेयर फसल से औसतन लगभग 400 से 500 किग्रा सूखी जड़ें और 50 से 60 किग्रा बीज प्राप्त किया जा सकता है।

कालमेघ

इसका वैज्ञानिक नाम 'एंड्रोग्राफिस पैनिकुलाटा' है। कालमेघ की पत्तियों में कालमेघीन नामक एल्कलॉइड पाया जाता है, जिसका औषधीय महत्व होता है। भारत में यह मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्य में पाया जाता है। मध्यप्रदेश में यह बहुतायत से पाया जाता है। कालमेघ को विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाया जा सकता है। इसकी खेती करने के लिए दोमट से लेकर लेटेराईट प्रकार की मृदाएँ उत्तम मानी जाती हैं। यह फसल जल भराव सहन नहीं कर सकती है। नम छायादार स्थानों और शुष्क जंगलों में भी यह पौधा अच्छी तरह से बढ़ सकता है। एक हेक्टेयर में कालमेघ लगाने के लिए 250 ग्राम बीज 10 मीटर लंबी तथा 2 मीटर चौड़ी तीन क्यारियों में बोते हैं। इसके बीजों का अंकुरण 5-7 दिनों बाद प्रारंभ हो जाता है। कालमेघ की नर्सरी करने के लिए किसी छायादार स्थान का चुनाव करना अच्छा रहता है ताकि मई और जून की तेज़ धूप से पौध को बचाया जा सके। पौध 32-35 दिनों के बाद रोपाई के लिए तैयार हो जाती है। समतल खेत में क्यारियों को बनाकर पौध की रोपाई 20 जून से 10 जुलाई के मध्य करना सर्वोत्तम रहता है।

पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी. तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15 सेमी. अथवा पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी. तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेमी. रखनी चाहिए। रोपाई के तुरंत बाद वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। आवश्यकतानुसार 2-3 निराई-गुड़ाई अवश्य करनी चाहिए। सिम-मेघा कालमेघ की अधिक उत्पादन देने वाली सीएसआईआर-केन्द्रीय औषधीय तथा सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ द्वारा विकसित एक उन्नतशील प्रजाति है। कालमेघ फसल की बुवाई/रोपाई के लगभग 90-110 दिनों के उपरान्त फसल काटने लायक हो जाती है। यदि यह वार्षिक फसल के रूप में (मई/जून) उगाया गया है, तो सितंबर के अंत में फसल की कटाई करना उपयुक्त रहता है। और यदि फसल बहुवर्षीय उगाई गयी है, तो फसल की वर्ष में 2 बार (अगस्त एवं दिसंबर में) कटाई की जाती है। अच्छी प्रकार से उगाई गयी फसल से 3.5 से 4.0 टन प्रति हेक्टेयर तक सूखी शाक प्राप्त की जा सकती है।

तुलसी

तुलसी का वैज्ञानिक नाम 'ओसिमम सैंक्टम' है। तुलसी एक सुगंधित एवं औषधीय वार्षिक पौधा है, जिसके पौधे की ऊँचाई 30-60 सेमी. तक होती है। भारत के विभिन्न राज्यों, जैसे मध्यप्रदेश, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी इसके महत्वों को देखते हुए इसकी खेती की जा रही है। इसकी खेती करने के लिए उचित जल निकास वाली बलुई दोमट मिट्टी अच्छी मानी जाती है। इसकी खेती करने के लिए गर्म एवं नम जलवायु उपयुक्त रहती है। खेत की तैयारी के ही समय सड़ी हुई गोबर की खाद 10-15 टन/हेक्टेयर खेत में डालकर अच्छी तरह मिला देना चाहिए। तुलसी की व्यावसायिक खेती बीज प्रवर्धन द्वारा की जाती है। नर्सरी करने से पहले 15×4×9 फुट आकार में बीज को डालना चाहिए, और 10-15 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति क्यारी डाल देनी चाहिए। 20 अप्रैल से 15 मई के मध्य नर्सरी करना सर्वोत्तम रहता है। एक हेक्टेयर तुलसी लगाने के लिए 300 ग्राम बीज की आवश्यकता पड़ती है। इसके बीजों का अंकुरण 7-10 दिनों बाद प्रारंभ हो जाता है। पौध 30-35 दिनों के बाद रोपाई के लिए तैयार हो जाती है। समतल खेत में क्यारियों को बनाकर पौध की रोपाई करने के लिए जुलाई माह सर्वोत्तम रहता है। पौधे से पौधे की दूरी 40 सेमी. तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 40 सेमी. रखनी चाहिए। रोपाई के तुरंत बाद वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। इस फसल के अंतर्गत दो प्रकार की किस्में उगाई जाती हैं- (1) ग्रीन टाइप (श्री तुलसी)- सिम-आयु एवं सिम-कंचन (2) बैंगनी प्रकार (कृष्णा तुलसी)- सिम-अंगना तुलसी की अधिक उत्पादन देने वाली सीएसआईआर-केन्द्रीय औषधीय तथा सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ द्वारा विकसित उन्नतशील प्रजातियाँ हैं।

फसल से अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए खेत की तैयारी के समय रोपाई के पहले नत्रजन 20 किग्रा., फॉस्फोरस 40 किग्रा. एवं पोटाश 40 किग्रा. की खुराक प्रति हेक्टेयर दी जाती है, और नाइट्रोजन की 40 किग्रा. शेष खुराक (टॉप ड्रेसिंग) रोपाई के बाद दो बराबर भागों में देना चाहिए। अधिक उपज प्राप्त करने के लिए कम से कम सप्ताह में एक बार सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। आवश्यकतानुसार 2-3 निराई-गुड़ाई अवश्य करनी चाहिए। तुलसी की कटाई रोपाई के 10-12 सप्ताह में करने से अच्छी उपज प्राप्त होती है। फसल की कटाई दराती के द्वारा ज़मीन से 15-20 सेमी. का ऊपरी भाग छोड़कर करनी चाहिए, जिससे अगली कटाई के लिए नए पत्ते एवं शाखाएँ आ सकें। आम तौर पर इसकी फसल की 2-3 कटाई की जा सकती हैं। पहली फसल की कटाई तब की जाती है जब पौधों में फूल पूरे खिले दिखाई देने लगें, और बाद की फसलों की कटाई 60-70 दिनों के अंतराल पर करनी चाहिए। अच्छी प्रकार से उगाई गयी फसल से 15 से 25 टन/हे. तक शाक एक वर्ष में दो या तीन फसलों की कटाई से प्राप्त किया जा सकता है, जिससे 90 से 120 किग्रा./हेक्टेयर तेल प्राप्त होता है।

लेमन ग्रास

व्यापारिक महत्व के सुगन्धित तेल उत्पादन करने वाली प्रमुख घासों में नींबू घास (लेमनग्रास) का प्रमुख स्थान है, जिसका वानस्पतिक नाम 'सिंबोपोगोन फ्लक्सुओसस' है। लेमनग्रास की पत्तियाँ रेखीय, लगभग 150 सेंमी. लंबी और 1.7 सेमी. चौड़ी होती हैं। लेमनग्रास पौधे की ऊँचाई 1-3 मी. तक होती है। लेमनग्रास तेल के मुख्य सक्रिय घटक सिट्राल-ए एवं सिट्राल-बी हैं।

लेमनग्रास की खेती के लिए उष्ण तथा समशीतोष्ण जलवायु उपयुक्त होती है। लेमनग्रास एक बहुवर्षीय पौधा है तथा एक बार लगा देने के बाद 4-6 वर्ष तक अधिक पैदावार देता है। अतः रोपाई से पूर्व खेत को भली-भाँति तैयार करना अति आवश्यक है। आखिरी जुताई के समय सड़ी हुई गोबर की खाद 10-15 टन/हेक्टेयर की दर से भली-भाँति मिट्टी में मिला देना चाहिए। लेमनग्रास का प्रवर्धन बीज तथा स्लिप्स के द्वारा किया जाता है। स्लिप्स तैयार करने के लिए एक वर्ष पुराने पौधे अथवा पुरानी फसल के झुण्ड निकालकर उसमें से एक-एक कलम अलग कर ली जाती है। इन कलमों को स्लिप्स कहते हैं। स्लिप्स को तैयार करते समय हरी पत्तियों को काटकर अलग कर देना चाहिए, साथ ही नीचे की सूखी पत्तियों को एवं लंबी जड़ों को काटकर अलग कर देना चाहिए।

इनकी लंबाई 15-20 सेमी. रखनी चाहिए। लेमनग्रास की सिंचाई की उपयुक्त व्यवस्था होने पर फरवरी से मार्च तक रोपाई की जा सकती है। रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई अति आवश्यक है। असिंचित दशा में उपयुक्त समय जुलाई से अगस्त होता है। स्लिप्स को 5 सेमी. की गहराई पर 60 सेमी. पंक्ति से पंक्ति की दूरी एवं 45 सेमी. पौधे से पौधे की दूरी पर रोपित किया जाता है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए 50,000-55,000 स्लिप्स पर्याप्त रहती है। कुछ उन्नतशील किस्मों, मसलन प्रगति, प्रमान, कृष्णा, चिरहरित, टी-1, नीमा, सुवर्ण, कॉवेरी एवं जी आर एल-1 को सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय और सुगंध पौधा संस्थान, लखनऊ द्वारा विकसित किया गया है। अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए 100 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस एवं 40 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष डालना चाहिए। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में एक महीने में एक बार सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। लेमनग्रास की रोपाई के 35-40 दिनों में खरपतवार का नियंत्रण किया जाना अति आवश्यक कार्य है। सामान्यतः वर्ष में 2-3 बार निराई एवं गुड़ाई की आवश्यकता होती है। पहली कटाई लगभग 100-120 दिन बाद की जाती है। इसके बाद 90 दिन में कटाई की जाती है। मिट्टी के उपजाऊपन और उर्वरक की मात्रा के आधार पर कटाई की संख्या बढ़ जाती है। पहले वर्ष में लगभग 3 कटाई की जा सकती हैं। उसके बाद प्रत्येक वर्ष में चार कटाई की जाती हैं। लेमनग्रास फसल की कटाई ज़मीन से 10-15 सेमी. की ऊँचाई से करनी चाहिए। हरी घास का उपयोग तेल निकालने में होता है। लेमनग्रास के सभी हरे भागों में तेल पाया जाता है, परंतु पत्तियों में सबसे अधिक पाया जाता है। इसलिए पूरा ऊपरी भाग आसवन के लिए उपयोगी होता है, जिससे 200 से 250 कि.ग्रा. तेल प्रतिवर्ष/हेक्टेयर प्राप्त हो जाता है।

रोशा घास या पामरोज़ा

रोशा घास या पामरोज़ा एक बहुवर्षीय सुगंधित घास है, जिसका वानस्पतिक नाम 'सिंबोपोगान मार्टिनाई' तथा प्रजाति मोतिया है। रोशा घास 4 वर्ष तक अधिक उपज देता है, इसके पश्चात तेल का उत्पादन कम होने लगता है। इसका पौधा 10 डिग्री से 45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान सहन करने की क्षमता रखता है। रोशा घास सूखा सहिष्णु तथा 150-200 सेमी. तक लंबी होती है और सूखा की निश्चित अवधि का सामना और अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में एक वर्षा आधारित फसल के रूप में इसकी खेती की जा सकती है। रोशा घास तेल के मुख्य सक्रिय घटक जिरेनियाल एवं जिरेनाइल एसीटेट है। रोशा घास की कुछ उन्नतशील किस्मों को सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ द्वारा विकसित किया गया है, जिनमें मुख्य प्रजातियाँ पीआरसी-1, तृष्णा, तृप्ता, वैष्णवी और हर्ष हैं। उचित जल निकास वाली मृदाएँ, जिनका पीएच मान 7.5-9 तक हो, उनमें इसकी अच्छी पैदावार की जा सकती है। रोशा घास बीज के माध्यम से लगाई जा सकती है। बीज को रेत के साथ मिलाकर 15-20 सेमी. की दूरी पर नर्सरी की जाती है तथा नर्सरी को लगातार पानी छिड़काव के द्वारा नम रखा जाता है। बीज द्वारा रोपण विधि से एक हेक्टेयर के लिए 2.5 किलो बीज की आवश्यकता होती है और नर्सरी करने का सर्वोत्तम समय अप्रैल-मई होता है। पौध 30 -35 दिनों के बाद रोपाई के लिए तैयार हो जाती है, जिसको सामान्य दशाओं में 60×60 सेमी की दूरी पर लगाते हैं।

असिंचित अवस्था में 30×30 सेमी. की दूरी पर लगाते हैं। रोशा घास की रोपाई मानसून के आगमन (जून से अगस्त अंत) तक कर देनी चाहिए। पहली सिंचाई रोपण के तुरंत बाद करनी चाहिए। वर्षा ऋ तु में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। गर्मी के मौसम में 3-4 सिंचाई तथा शरद ऋतु में दो सिंचाई पर्याप्त रहती हैं, हालाँकि कटाई से पहले सिंचाई बंद कर देना चाहिए। प्रत्येक कटाई के बाद सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। तेल रोशा घास के सभी भागों में पाया जाता है, जैसे- फूल, पत्ती, तना। पर इनमें से फुल वाला सिरा मुख्य भाग होता है, जिसमें आवश्यक तेल की मात्रा ज़्यादा पायी जाती है। फसल की कटाई ज़मीन से 15-20 सेमी. भाग छोड़कर 50 प्रतिशत पुष्प आने पर दराँती द्वारा की जाती है। औसतन रोशा घास के शाक में 0.5-0.7 प्रतिशत तेल पाया जाता है। उत्तम कृषि प्रबन्ध स्थिति में तेल की औसतन उपज 200-250 किग्रा./हे./वर्ष प्राप्त की जा सकती है।

जावा घास या सिट्रोनेला

व्यापारिक महत्व के सुगन्धित तेलों का उत्पादन करने वाली प्रमुख घासों में जावा घास या सिट्रोनेला का प्रमुख स्थान है। इसका वानस्पतिक नाम सिंबोपोगॉनविन्टेरियेनस (कुल पोएसी) है। जावा घास की पत्तियाँ अरोमिल, अंदर की तरफ लाल रंग की, 60-80 सेमी. लंबी और 1.5 से 2.5 सेमी. चौड़ी होती हैं। जावा घास तेल के मुख्य सक्रिय घटक सिट्रोनेलाल एवं जिरैनियॉल है। जावा घास पर्याप्त नमी एवं सूर्य का प्रकाश चाहने वाली फसल है, अतः ऐसे क्षेत्र जहाँ वर्षा 100-150 सेमी. प्रतिवर्ष तक होती है, इसकी खेती के लिए उपयुक्त होते हैं। जावा घास की खेती ऐसी मृदाओं पर की जानी चाहिए जिनका आदर्श पीएच मान 5.0-7.5 हो। जावा घास का अधिकांशतः प्रवर्धन स्लिप्स माध्यम से किया जाता है। स्लिप्स तैयार करने के लिए एक वर्ष पुराने पौधे अथवा पुरानी फसल के झुण्ड निकालकर उसमें से एक-एक कलम अलग कर ली जाती है। इन कलमों को स्लिप्स कहते हैं। स्लिप्स को तैयार करते समय हरी पत्तियों को काटकर अलग कर देना चाहिए, साथ ही नीचे की सूखी पत्तियों एवं लंबी जड़ों को भी काटकर अलग कर देना चाहिए। इन कलमों की लंबाई 15-20 सेमी. रखनी चाहिए। इसके बाद स्लिप्स को किसी फफूंदीनाशक रसायन से उपचारित कर लेना चाहिए, इससे मृदा जनित रोगों से बचाव होता है। एक स्लिप लगाने से पौधा तैयार होता है। स्लिप्स को रोपित करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि इनमें जमाव 80 प्रतिशत तक ही होता है।